Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 305 | मंगलवार, 10 नवम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

दिवाली के बाद 371 पहुंचा दिल्ली एक्यूआई

धुंध के बीच भाजपा-आप में छिड़ा घमासान

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आमने-सामने आ गई हैं। आप ने दिल्ली सरकार पर एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) डेटा में हेरफेर करने का आरोप लगाया है, जबकि भाजपा ने दिवाली के दिन पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं में अचानक हुई बढ़ोतरी के पीछे किसी साजिश का आरोप लगाया है। यह राजनीतिक टकराव ऐसे समय में हुआ है जब राष्ट्रीय राजधानी में हवा की गुणवत्ता लगातार खराब हो रही है। सोमवार सुबह 10 बजे एक्यूआई 371 दर्ज किया गया, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है। दिवाली पर शहर भर में तय समय के बाद भी जमकर पटाखे फोड़े गए, जिसके चलते सोमवार सुबह दिल्ली में प्रदूषण का स्तर



खतरनाक हद तक बढ़ गया। चारों तरफ धुएं की एक घनी परत छा गई, जिससे सड़कों पर दृश्यता कम हो गई और लोगों को आंखों व गले में जलन महसूस होने लगी।

सौरभ भारद्वाज ने समाचार एजेंसी से कहा सरकार का डेटा धोखाधड़ी पर आधारित है। हमने दिखाया कि कैसे मॉनिटरिंग स्टेशनों को बंद कर दिया गया और दिल्ली के दूर-दराज, हरे-भरे इलाकों में 20 नए एक्यूआई स्टेशन लगा दिए गए।

प्रदूषित जगहों पर मौजूद मॉनिटरिंग स्टेशनों पर सीधे पानी का छिड़काव किया जा रहा है, ताकि रीडिंग में हेरफेर की जा सके। लोग सरकार के एक्यूआई आंकड़ों पर बिल्कुल भी भरोसा नहीं करते और मैं तो बिल्कुल भी नहीं करता।' उन्होंने यह भी दावा किया कि कई इलाकों में एक्यूआई का स्तर 3,000 को पार कर गया था। उन्होंने चेतावनी दी कि PM 2.5 कणों का इतना उच्च स्तर खून में मिल सकता है, जिससे दिल की बीमारी वाले लोगों को हार्ट अटैक आ सकता है और अस्थमा से पीड़ित बच्चों को सांस लेने में गंभीर दिक्कत (रेस्पिरेटरी फेलियर) हो सकती है। उन्होंने कहा गलत आंकड़े पेश करके सरकार लोगों की जान से खिलवाड़ कर रही है। सरकार से मेरा यही कहना है: अगर आप आतिशबाजी को बढ़ावा दे रहे हैं, तो इसे स्वीकार करें और पूरी जिम्मेदारी लें। आप धोखाधड़ी नहीं कर सकते, आपको सच सामने लाना ही होगा।

एक्यूआई डेटा में धोखाधड़ी

दिल्ली आप प्रमुख सौरभ भारद्वाज ने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर एयर क्वालिटी डेटा के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि दिवाली की रात राष्ट्रीय राजधानी के कई इलाकों में प्रदूषण का स्तर एक्यूआई 3,000 के पार पहुंच गया था। कई स्वतंत्र एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग प्लेटफॉर्म्स के आंकड़ों का हवाला देते हुए, भारद्वाज ने आरोप लगाया कि सरकारी आंकड़ों में प्रदूषण के स्तर को कम करके दिखाया गया है और शहर की वास्तविक वायु गुणवत्ता की स्थिति को गलत तरीके से पेश किया गया है। भारद्वाज ने एक्स पर लिखा एक्यूआई 3000 के पार। इन भाइयों को पूरा श्रेय जाता है, जिन्होंने प्रदूषण को 3000 के पार पहुंचा दिया। भारद्वाज ने यह भी आरोप लगाया कि मॉनिटरिंग स्टेशनों को बंद कर दिया गया और दिल्ली के दूर-दराज, हरे-भरे इलाकों में 20 नए अदक स्टेशन लगा दिए गए। उन्होंने दावा किया कि प्रदूषित जगहों पर मौजूद मॉनिटरिंग स्टेशनों पर पानी का छिड़काव किया जा रहा है, ताकि रीडिंग में हेरफेर की जा सके।

उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने की 13 बड़ी घोषणाएं

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



गैरसैंण (उत्तराखंड)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को राज्य स्थापना दिवस की 26 वीं वर्षगांठ के मौके पर 13 घोषणाएं कीं जिनमें राज्य आंदोलनकारियों की मांगों एवं उनकी समस्याओं के समाधान के लिए मंत्रिमंडलीय समिति गठित करने, वन्यजीवों के हमलों में घायलों को प्लास्टिक सर्जरी जैसे महंगे उपचार के लिए अतिरिक्त आर्थिक सहायता देना तथा छोटे किसानों एवं बिजली उपभोक्ताओं के लंबित बिजली बिलों पर लगने वाला सरचार्ज माफ करना शामिल है। यहां ग्रीष्मकालीन राजधानी में विधानसभा भवन परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने राज्य ये घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राज्य आंदोलनकारियों की मांगों एवं समस्याओं के समाधान के लिए एक मंत्रिमंडलीय समिति गठित की जाएगी जो चिह्नीकरण नियमों में छूट, दोहरी पेंशन तथा आश्रितों को प्रमाणपत्र देने संबंधी विषयों पर संस्तुति देगी।

उन्होंने कहा कि वन्यजीवों के हमले में घायलों को वर्तमान सहायता के अतिरिक्त प्लास्टिक सर्जरी जैसे महंगे उपचार के लिए अतिरिक्त आर्थिक सहायता भी दी जाएगी तथा लखपति दीदियों को व्यवसाय विस्तार एवं नए स्वरोजगार कार्यों के लिए दो किस्तों में प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकताओं एवं सहायिकाओं, आशाकर्मियों तथा भोजनमाताओं (खाना पकाने वाली महिलाओं) के मानदेय में आगामी एक दिसंबर से वृद्धि करने की घोषणा की। धामी ने प्रत्येक जिले में जिला मुख्यालय से अलग नगरपालिका क्षेत्रों में दो-दो आधुनिक डिजिटल लाइब्रेरी एवं वाचनालय स्थापित करने, अन्य माध्यमों से विद्युत आपूर्ति वाले सभी राजस्व गांवों को पावर ग्रिड से जोड़ने, राज्य में निवेश के इच्छुक प्रवासियों के लिए भूमि खरीद प्रक्रिया सरल बनाने तथा बुजुर्गों, दिव्यांगजनों एवं दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों को घर बैठे सरकारी सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए अपुणि सरकार पोर्टल की व्यवस्था अधिक सरल एवं प्रभावी बनाने की भी घोषणा की।

सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला, 48 घंटे से ज्यादा हिरासत में रहने पर लोक सेवक स्वतः निलंबित

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि अगर किसी सरकारी कर्मचारी को गिरफ्तार किया जाता है और 48 घंटे से अधिक समय तक न्यायिक हिरासत में रखा जाता है, तो उसे स्वतः निलंबित माना जाएगा। न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने बिहार के समस्तीपुर स्थित सदर अस्पताल के प्रशासक विश्वजीत सिंह को मिली जमानत को बहाल करते हुए यह टिप्पणी की। सिंह पर एक संविदा कर्मचारी के 36,421 रुपये बकाया वेतन को जारी करने के एवज में 4,000 रुपये की रिश्वत मांगने का आरोप लगाया गया था।

शीर्ष अदालत ने उसे जमानत मिलने के करीब एक साल बाद (जमानत) रद्द कर दिये जाने संबंधी पटना उच्च न्यायालय के आदेश को निरस्त कर दिया। पीठ ने कहा कि हालांकि मांगी गई रिश्वत की रकम जमानत याचिका पर फैसला लेने के लिए कोई प्रासंगिक बात नहीं थी, फिर भी उच्च न्यायालय जमानत रद्द किए बिना भी यह टिप्पणी कर सकता था। जमानत बहाल करते हुए, उच्चतम न्यायालय ने आरोपी की सेवा स्थिति और उसके बाद मिले पदस्थापन से जुड़ी एक ''चिंताजनक विषय'' की ओर भी ध्यान दिलाया।

शीर्ष अदालत ने कहा, ''हालांकि, एक चिंताजनक बात है जिसे हमें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ऐसा लगता है कि गिरफ़्तारी के बाद, अपीलकर्ता (आरोपी) लगभग 15 दिन तक न्यायिक हिरासत में रहा।'' पीठ ने कहा, ''जब कोई लोक सेवक गिरफ्तार होता है और 48 घंटे से ज्यादा समय तक न्यायिक हिरासत में रहता है, तो उसे स्वतः निलंबित माना जाता है। उसके लोक सेवक होने के नाते, यह कहा जा सकता है कि वह स्वतः निलंबित हो गया है।

'बाबर आज भी कांग्रेस के दिल में बसा है': दिवाली को 'खुशियों की ईद' बताने पर भड़की बीजेपी

मल्लिकार्जुन खरगे पर साधा निशाना



वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। दिवाली के पावन अवसर पर राजनीतिक बयानबाजी का पारा उस समय अचानक चढ़ गया, जब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा दिवाली को 'खुशियों की ईद' कहे जाने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मोर्चा खोल दिया। बीजेपी ने खरगे की इस टिप्पणी को हिंदू आस्था का अनादर और 'सनातन-विरोधी' करार देते हुए कांग्रेस पर वोट बैंक और तुष्टीकरण की राजनीति करने का जोरदार हमला बोला है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब खरगे दिवाली के मौके पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उनके इस बयान के बाद बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ताओं और वरिष्ठ नेताओं ने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को आड़े हाथों लिया।

भंडारी ने '' पर लिखा, 'कांग्रेस अध्यक्ष दिवाली को 'खुशियों की ईद' कहते हैं! दिवाली पर भी कांग्रेस को तुष्टीकरण और वोट बैंक की ही सूझती है! कल सोनिया गांधी बाबरी के लिए रोई थीं, आज खरगे जी अपने दिवाली संदेश में तुष्टीकरण कर रहे हैं! कांग्रेस सनातन-विरोधी है!'

बीजेपी ने सोनिया गांधी की बाबरी वाली टिप्पणी का भी जिक्र किया

बीजेपी प्रवक्ता ने खरगे की इस टिप्पणी को, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा 1992 में बाबरी मस्जिद विध्वंस पर की गई टिप्पणी से भी जोड़ दिया। सोनिया गांधी ने यह बात ब्रिटिश अखबार 'द गार्डियन' को दिए एक इंटरव्यू में कही थी, जो उनकी आत्मकथा 'बिलोंगिंग: अ जर्नी ऑफ लव' के रिलीज होने से पहले आया था। 6 दिसंबर 1992 को बाबरी मस्जिद विध्वंस को याद करते हुए, सोनिया गांधी ने कहा था कि टेलीविजन पर इस घटना को देखकर वह रो पड़ी थीं। उन्होंने कहा कि इस विध्वंस से उन्हें एहसास हुआ कि भारत को अपनी धर्मनिरपेक्ष नींव को बचाने के लिए एक लंबा संघर्ष करना होगा। गांधी ने यह भी माना कि कांग्रेस कई मामलों में लापरवाह रही, जिसकी वजह से इखढ और उसकी हिंदुत्व की राजनीति को आगे बढ़ने में मदद मिली। उनकी इस टिप्पणी के बाद राजनीतिक बयानबाजी शुरू हो गई। इखढ नेताओं ने कांग्रेस पर मुगल शासक बाबर के प्रति सहानुभूति रखने का आरोप लगाया और इस बात पर भी सवाल उठाए कि क्या उन्होंने सच में टेलीविजन पर विध्वंस को देखा था।

सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस के रुख पर सवाल उठाए

सोनिया गांधी की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए, राज्यसभा सांसद और भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के मन में अभी भी बाबर के लिए सहानुभूति है। त्रिवेदी ने दिल्ली में पत्रकारों से कहा, 'इससे पता चलता है कि बाबर उस समय भी कांग्रेस पार्टी के दिल में था, और आज भी वह उसके दिल में बसा हुआ है।'

विपक्ष को नक्सली बताने पर भड़के राहुल गांधी, पीएम मोदी को दी आमने सामने बहस की चुनौती

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सार्वजनिक बहस की चुनौती फिर से दी। यह चुनौती तब दी गई जब प्रधानमंत्री ने कथित तौर पर विपक्षी नेताओं को 'दिमागी नक्सली' कहा। कांग्रेस नेता की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री मोदी के उस बयान के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि 'दिमागी नक्सली' राजनीतिक दलों सहित कई संगठनों में घुसपैठ कर चुके हैं और लोगों को संविधान तथा लोकतंत्र के खिलाफ भड़का रहे हैं।

प्रधानमंत्री की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए, गांधी ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (उफ्हत्रफ्) के जवानों के सामने पीएम मोदी के दिवाली संबोधन का जिक्र किया और उन्हें इस बात पर बहस करने की चुनौती दी कि आखिर राष्ट्र-विरोधी कौन है और कौन विदेशी ताकतों के इशारे पर चल रहा है। गांधी ने '' पर लिखा, 'प्रिय @crpfindia, आपके चेहरों से सब कुछ साफ पता चल रहा था: आपने पीएम के झूठ पर यकीन नहीं किया। उन्होंने हमें नक्सली कहा। मेरी चुनौती कायम है। वे मुझसे इस बात पर बहस करें कि राष्ट्र-विरोधी कौन है और कौन विदेशी ताकतों के नियंत्रण में है। कभी भी, कहीं भी। मेरी गारंटी है: इस बहस के बाद, पीएम में दोबारा किसी एक भी जवान के सामने खड़े होने की हिम्मत नहीं बचेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के करणपुर में एक कैंप में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (उफ्हत्रफ्) के जवानों के साथ दिवाली मनाई। जवानों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भले ही हथियारबंद माओवादियों का सफाया हो गया है, लेकिन नक्सलवाद का खतरा पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है।

उत्तर प्रदेश के पांच जिलों में भीषण सड़क हादसे, 21 लोगों ने गंवाई जान

मुजफ्फरनगर में खंभे से टकराकर धू-धू कर जली कार, मासूम समेत 6 लोग जिंदा जले

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



लखनऊ। उत्तर प्रदेश में दीपावली के अगले दिन सोमवार को छह अलग-अलग सड़क हादसों में कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई और 56 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। ये हादसे मुजफ्फरनगर, चित्रकूट, लखनऊ, कुशीनगर और शाहजहांपुर जिलों में हुए। सबसे भीषण हादसा मुजफ्फरनगर में हुआ जहां हरियाणा के हिसार से हरिद्वार जा रही एक कार 'डिवाइडर' और बिजली के खंभे से टकराने के बाद पलट गई तथा उसमें आग लगने से छह लोगों की जलकर मौत हो गई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक हादसा सुबह करीब चार बजकर 50 मिनट पर पानीपत-खटीमा राजमार्ग पर तितावी थानाक्षेत्र के जगाहेड़ी गांव के पास हुआ। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान राहुल (22), अंकित (21), साहिल (22), अजय (22), अंकित (22) और अमन (19) के रूप में हुई है तथा वे सभी हिसार के रहने वाले थे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ने बताया कि प्रारंभिक जांच में कार तेज रफ्तार में होने की बात सामने आई है। उन्होंने बताया कि चालक के नियंत्रण खोने के बाद कार 'डिवाइडर' और बिजली के खंभे से टकराकर पलट गई एवं उसमें आग लग गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को पीड़ित परिवारों से संवाद कर उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुजफ्फरनगर के ही शाहपुर क्षेत्र में संजक गांव के पास एक तेज रफ्तार रोडवेज बस की टक्कर से 15 वर्षीय मोनिश की मौत हो गई और उसका दोस्त निखिल गंभीर रूप से घायल हो गया।

बस चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है। इस बीच, चित्रकूट के मऊ तहसील क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग पर रामनगर के पास आठ/नौ नवंबर की दरमियानी रात करीब ढाई बजे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से दो बच्चों समेत चार लोगों की मौत हो गई तथा 12 अन्य घायल हो गए। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने बताया कि वाहन चित्रकूट से लौट रहा था, तभी ट्रैक्टर और ट्रॉली को जोड़ने वाला हुक निकल गया, जिससे ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई तथा उस पर सवार लोग उसके नीचे दब गये। उन्होंने बताया कि वाहन में मध्यप्रदेश के रीवा जिले के एक परिवार समेत करीब 25 लोग सवार थे। एक अन्य हादसे में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर जीरो प्वाइंट के पास सुबह करीब छह बजे राजस्थान के ब्यावर से बिहार के छपरा जा रही एक बस के अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरने से तीन यात्रियों की मौत हो गई और 41 अन्य घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मृतकों में शंकर रजक (63) और शमली राय (43) शामिल हैं, जबकि तीसरे मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिये हैं। उधर, शाहजहांपुर में गंगा एक्सप्रेसवे पर एक निजी बस से उतरकर खिड़की के शीशे की जांच रहे परिचालक विपिन यादव (50) और उसके सहायक कौशल (35) को अज्ञात ट्रक ने कुचल दिया, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, बस दिल्ली से झारखंड जा रही थी। लखनऊ के मानकनगर क्षेत्र में देव अस्पताल के पास एक अज्ञात चार पहिया वाहन की टक्कर से दोपहिया सवार 22 वर्षीय दीपांशु रावत की मौत हो गई, जबकि 17 वर्षीय किशोर घायल हो गया। एक अन्य घटना में, लखनऊ के ही दुबग्गा इलाके में रविवार रात करीब नौ बजे एक ई-रिक्शा और कार की टक्कर में दो यात्रियों की मौत हो गई और एक व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस का कहना है कि यह हादसा कार चालक की कथित लापरवाही के कारण हुआ।

यूपी विस चुनाव 2027: बीजेपी ने 209 उम्मीदवारों की सूची दिल्ली भेजी, आलाकमान लेगा अंतिम फैसला

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



लखनऊ। आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों की तैयारियों को तेज करते हुए, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपनी उम्मीदवार सूची के लिए 209 नामों को शॉर्टलिस्ट किया है और उन्हें केंद्रीय नेतृत्व की मंजूरी के लिए दिल्ली भेज दिया है। पार्टी का लक्ष्य 300 से अधिक सीटें जीतकर लगातार तीसरी बार जीत हासिल करना है। सूत्रों के अनुसार, दिवाली खत्म होने के साथ ही पार्टी ने जमीनी स्तर पर अपनी गतिविधियां तेज कर दी हैं और राज्य के 403 विधानसभा क्षेत्रों के लिए 209 उम्मीदवारों के नामों को शॉर्टलिस्ट कर लिया है।

यह सूची मंजूरी के लिए लखनऊ से दिल्ली में पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को भेज दी गई है, जो चुनावी तैयारियों की दिशा में एक अहम कदम है। नेतृत्व की अंतिम मंजूरी मिलने के बाद, शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों को अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में प्रचार करने के लिए पर्याप्त समय मिलने की उम्मीद है। रिपोर्टों के अनुसार, पार्टी की 'A' श्रेणी के तहत 209 उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया गया है। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से विचार-विमर्श के बाद इन नामों को अंतिम रूप दिया गया है और अब इन्हें भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की मंजूरी का इंतजार है।

एक बार सूची को अंतिम मंजूरी मिल जाने के बाद, उम्मीदवारों को चुनाव की तैयारियां शुरू करने के लिए हरी झंडी मिलने की उम्मीद है। इस शुरूआती चयन प्रक्रिया का उद्देश्य उम्मीदवारों को मतदाताओं से जुड़ने और जमीनी स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए पर्याप्त समय देना है। रविवार को दीपोत्सव के लिए अयोध्या दौरे के दौरान, मुख्यमंत्री ने राज्य की महिलाओं के लिए एक विशेष पहल का संकेत दिया। उन्होंने कहा, 'हम उनके लिए एक अच्छा पैकेज ला रहे हैं।' उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस पहल से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने, अपने पैरों पर खड़े होने, अपने परिवारों की मदद करने और अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देने में मदद मिलेगी।

उनके इस बयान से ऐसी अटकलें शुरू हो गई हैं कि उत्तर प्रदेश सरकार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और अन्य राज्यों में शुरू की गई योजनाओं की तर्ज पर, महिलाओं के कल्याण के लिए कोई विशेष योजना ला सकती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए दावा किया कि अब वे SIR को वापस लेने की मांग नहीं करेंगे, क्योंकि कथित तौर पर संशोधन के बाद मुस्लिम मतदाताओं का अनुपात 1.63 प्रतिशत बढ़ गया है।

संपादक की कलम

इसकी फि क्र भी किसे?



ललित शर्मा
संपादक

संख्यात्मक रूप में देश ने प्रगति की है। लेकिन गुणात्मक रूप में गिरावट उतने ही अफसोस की बात है। ताजा सूची में शीर्ष 100 संस्थानों के बीच भारत के केवल छह संस्थान ही जगह बना पाए हैं। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में लगातार दूसरे वर्ष भारत के किसी विश्वविद्यालय को एशिया के टॉप 50 की सूची में जगह नहीं मिली है। ध्यान देने योग्य है कि ये सूची पूरी दुनिया की नहीं, सिर्फ एशिया की है। दरअसल इस ताजा रिपोर्ट पर गौर करें, तो जाहिर होता है कि देश के कई प्रमुख संस्थानों की रैंकिंग में और गिरावट दर्ज की गई है। भारत के लिए संतोष की बात सिर्फ यह हो सकती है कि क्यूएस सूची में अब देश के 325 संस्थान शामिल हैं। पिछले साल यह संख्या 294 थी। लिस्ट में चीन के 448 उच्च शिक्षा संस्थानों के नाम हैं, जिसके बाद सबसे ज्यादा प्रतिनिधित्व भारत का ही है। इस रूप में कहा जा सकता है कि संख्यात्मक रूप में देश ने प्रगति की है। लेकिन गुणात्मक रूप में गिरावट कम-से-कम उतने ही अफसोस की बात है। ताजा सूची में शीर्ष 100 संस्थानों के बीच भारत के केवल छह संस्थान जगह बना पाए हैं, जबकि पिछली रिपोर्ट में सात भारतीय संस्थान शामिल थे। इस बार जिन छह संस्थानों को जगह मिली है, उनमें पांच भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के साथ बंगलुरू स्थित भारतीय विज्ञान संस्थान शामिल है। क्यूएस रैंकिंग की ऐसी आलोचनाओं का जिक्र कर भारतवासी जरूर संतोष पा सकते हैं कि यह सूची प्रतिष्ठा सर्वेक्षणों पर काफी हद तक निर्भर करती है, जिससे पहले से मशहूर विश्वविद्यालयों को इससे अतिरिक्त लाभ मिल जाता है। जिन आईनों में अपनी बेहतर सूरत नहीं दिखती, हालिया वर्षों में उनकी साख पर हमला करने का अफसोसनाक रुझान भारत में उभरता दिखा है। लेकिन ऐसा नजरिया अपनी कमियों से आंख चुराने की कोशिश ही माना जाएगा। इसलिए कि क्यूएस रैंकिंग तैयार करते वक्त संस्थान की शैक्षणिक प्रतिष्ठा, रोजगार देने वाली कंपनियों के बीच प्रतिष्ठा, वहां हुए शोध के प्रभाव, शिक्षक–छात्र अनुपात, अंतरराष्ट्रीय शिक्षकों एवं छात्रों की मौजूदगी, डिग्री लेकर निकलने के बाद रोजगार मिलने के अनुपात आदि को भी ध्यान में रखा जाता है। क्या ये जरूरी मानदंड नहीं हैं? जरूरत इन कसौटियों पर प्रगति करने की है। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसी बातों की आज ज्यादा फि क्र अपने समाज में नहीं दिखती।

बदलते समय में भाई दूज: प्रेम और अपनापन कैसे बना रहे?



डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक



भाई दूज केवल तिलक और मिठाई का त्योहार नहीं, बल्कि भाई-बहन के रिश्ते में प्रेम, विश्वास और आत्मीयता की वह डोर है, जो समय की तेज रफ्तार के बीच भी स्नेह का रंग बनाए रखती है। बदलते दौर में जब मुलाकातें वीडियो कॉल तक सिमटती जा रही हैं और तिलक डिजिटल इमोजी का रूप ले रहा है, तब यह सवाल स्वाभाविक है कि क्या रिश्तों की गर्माहट अब भी पहले जैसी बनी हुई है? भाई दूज हमें याद दिलाती है कि प्रेम केवल परंपरा नहीं, बल्कि आत्मीयता और संवेदनाओं को जीवित रखने का निरंतर अभ्यास है। यह पर्व हमें अपने व्यस्त जीवन में अपनों के लिए समय निकालने और रिश्तों में अपनापन लौटाने का अवसर देता है।

दीपावली के बाद जब उत्सव का उल्लास धीरे-धीरे शांत होने लगता है, तब भाई दूज की सुबह घरों में प्रेम और मिठास का संदेश लेकर आती है। बहनें अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाती हैं, आरती उतारती हैं और उनके सुखी एवं स्वस्थ जीवन की कामना करती हैं। भाई भी बहन को उपहार देकर जीवनभर उसके साथ खड़े रहने का विश्वास दिलाता है। यह परंपरा देखने में जितनी सरल है, भावनात्मक रूप से उतनी ही गहरी है। तिलक केवल माथे पर लगाया जाने वाला चिह्न नहीं, बल्कि रिश्तों में विश्वास, सम्मान, सुरक्षा और प्रेम का प्रतीक है।

लेकिन आज जब समय बदल रहा है और रिश्तों की परिभाषाएँ भी नए रूप ले रही हैं, तब यह विचार करना जरूरी है कि क्या भाई-बहन के रिश्ते में पहले जैसी सहजता और आत्मीयता बची हुई है? क्या यह रिश्ता अब भी उतना ही भावनात्मक और विश्वासपूर्ण है, जैसा कभी गाँव की मिट्टी, घर के आँगन और बचपन की स्मृतियों में हुआ करता था?

एक समय था जब भाई दूज केवल त्योहार नहीं, बल्कि परिवार के मिलन और खुशियों का अवसर हुआ करती थी। बहनें सुबह से तैयार होकर भाइयों की प्रतीक्षा करती थीं। घरों में पकवानों की खुशबू फैल जाती थी। भाई दूर-दराज से बहन के घर पहुँचते थे, क्योंकि इस दिन का विशेष महत्व मिलने-जुलने और साथ समय बिताने में था। न दिखावे की चिंता होती थी और न ही उपहारों की प्रतिस्पर्धा। रिश्तों में सच्चा प्रेम, विश्वास और भावनाओं का सहज प्रवाह होता था।

आज भी भाई दूज पूरे उत्साह से मनाई जाती है, लेकिन कहीं-कहीं इसकी आत्मीयता औपचारिकताओं के बीच धुंधली पड़ती दिखाई देती है। तिलक की जगह कई बार व्हाट्सऐप पर भेजे गए इमोजी और शुभकामना संदेश ले लेते हैं। सोशल मीडिया पर भाई दूज की बधाइयाँ तो खूब दिखाई देती हैं, लेकिन उनके पीछे वह आत्मीयता और भावनात्मक जुड़ाव हमेशा दिखाई नहीं देता, जो बहन की आँखों में भाई को सामने देखकर झलकता था।

यह बदलाव केवल तकनीक का नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली और संवेदनाओं का भी है। तकनीक ने हमें भौगोलिक दूरियों के बावजूद जोड़ने का अवसर दिया है, लेकिन कई बार हम रिश्तों को दिल से निभाने के बजाय मोबाइल और डिजिटल माध्यमों तक सीमित कर देते हैं। भाई दूज जैसे पर्व, जो निकटता, स्नेह और संवाद के प्रतीक हैं, कहीं-कहीं सोशल मीडिया के स्टेटस और औपचारिक संदेशों तक सिमटते जा रहे हैं। आधुनिक जीवन की भागदौड़, व्यावसायिक दबाव और बढ़ती आत्मकेंद्रित प्रवृत्ति ने हमारे पारिवारिक संबंधों को भी प्रभावित किया है।

भाई दूज का पर्व केवल बहन की पूजा या भाई द्वारा सुरक्षा का वचन देने तक सीमित नहीं है। यह भाई-बहन के बीच भावनात्मक संतुलन, सहयोग और पारस्परिक सम्मान का प्रतीक भी है। बदलते समय में इस रिश्ते को केवल संरक्षण और निर्भरता के पुराने दायरे में देखना उचित नहीं होगा। आज बहनें शिक्षा, रोजगार और सामाजिक जीवन के हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हैं और अपने जीवन के निर्णय स्वयं लेने में सक्षम हैं। यह बदलाव सकारात्मक है। अब बहन को केवल सुरक्षा की आवश्यकता रखने वाली व्यक्ति के रूप में नहीं, बल्कि समान अधिकारों और आत्मसम्मान वाली स्वतंत्र व्यक्तित्व के रूप में स्वीकार करना चाहिए।

हालाँकि आत्मनिर्भरता और समानता के इस दौर में भी भाई-बहन के रिश्ते की गर्माहट बनाए रखना उतना ही जरूरी है। रिश्तों का महत्व किसी की निर्भरता में नहीं, बल्कि एक-दूसरे के प्रति सम्मान, विश्वास और भावनात्मक सहयोग में होता है।

शहरीकरण, रोजगार की तलाश में पलायन और व्यस्त जीवनशैली ने परिवारों के बीच भौतिक दूरियाँ बढ़ा दी हैं। पहले भाई अपनी बहन के घर जाकर पूरा दिन उसके परिवार के साथ बिताता था। आज कई बार मुलाकात कुछ मिनटों तक सीमित रह जाती है या फिर वीडियो कॉल से ही त्योहार की औपचारिकता पूरी कर ली जाती है। निश्चित रूप से तकनीक दूर रहने वाले भाई-बहनों के लिए एक उपयोगी माध्यम है, लेकिन जब संभव हो, तब व्यक्तिगत मुलाकात और साथ बिताया गया समय रिश्तों को विशेष मजबूती प्रदान करता है। त्योहारों का वास्तविक उद्देश्य ही रिश्तों को फिर से जीवंत करना और दूरियों को कम करना है। भाई दूज हमें हर वर्ष यह याद दिलाती है कि रिश्ते केवल खून के संबंध से नहीं, बल्कि व्यवहार, विश्वास और निरंतर संवेदनशीलता से मजबूत होते हैं। आधुनिक जीवन की व्यस्तता ने हमें भावनाओं को भी समय-सारिणी में बाँधने के लिए विवश कर दिया है। कभी-कभी ऐसा लगता है कि रिश्ते भी कैलेंडर में दर्ज कुछ विशेष अवसरों के मेहमान बनकर रह गए हैं। आज की बहनें अपने भाइयों से केवल उपहार या आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि भावनात्मक साझेदारी की अपेक्षा रखती हैं। वे चाहती हैं कि भाई उनकी भावनाओं को समझे, उनके विचारों का सम्मान करे और जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों में उनका साथ दे। इसी प्रकार भाइयों को भी बहनों से स्नेह, सहयोग और संवेदनशीलता की अपेक्षा होती है। यही रिश्ते का आधुनिक स्वरूप है, जिसमें समानता, स्वतंत्रता और आत्मीयता का सुंदर संतुलन दिखाई देता है। भाई दूज को अब केवल बहन की सुरक्षा के प्रतीक के रूप में नहीं, बल्कि आपसी सम्मान, समान अधिकार और संवाद के पर्व के रूप में भी समझने की आवश्यकता है। भाई-बहन का रिश्ता बचपन तक सीमित नहीं होता, बल्कि जीवनभर साथ चलने वाला भावनात्मक संबंध है। जीवन के रास्ते भले ही अलग-अलग हों, लेकिन दिलों के रास्ते जुड़े रहने चाहिए। आज का समाज कई बार रिश्तों को भी उपयोगिता, व्यावसायिकता और व्यक्तिगत लाभ की कसौटी पर परखने लगा है। ऐसे समय में भाई दूज हमें यह संदेश देती है कि प्रेम का कोई विकल्प नहीं हो सकता। तकनीक संवाद के साधन उपलब्ध करा सकती है, लेकिन आत्मीयता के लिए संवेदनशील व्यवहार, समय, विश्वास और अपनापन आवश्यक हैं। इसका अर्थ यह नहीं है कि हमें आधुनिक तकनीक या बदलती जीवनशैली का विरोध करना चाहिए।



संजीवनी

संजीव ठाकुर

कविता



बुझी फुलझड़ी में रोशनी तलाशते गरीब बच्चे ।
जगमग दीपोत्सव की खुशियों वाली
रात की अगली सुबह सुबह
गरीब बेसहारा बच्चे नन्हे फटे हाल,
बड़े बड़े घरों के लोहे के
बड़े बड़े दरवाजे के सामने,
बुझे और फूटे हुए पटाखों के
कागज के बिखरे हुए अवशेषों से और अधजलि
फुलझड़ीयों में रंग–बिरंगी रोशनी खोजते।
फटे हाल बच्चे दिवाली के दूसरे दिन
किसी अभिजात्य कॉलोनी में फटे बेहाल
घूमते हुए दिखाई दे जाएंगे।
अर्धनग्न इन नन्हे बच्चों की
किस्मत में ये अधजले पटाखे,
फुलझड़ियां और कभी कभी
बम भी मिल जाया करते।
इसे दिवाली की सौगात समझ
खुश हो कर शुभ दीपावली मनाते,
इन्ही पटाखों के टुकड़ों के साथ दिवाली का दिन
मनाने निकल पड़ते ।
इन्हें चमकदार, रोशनी वाली दिवाली,
शायद नसीब नहीं होती और नसीब नहीं होते,
दिवाली में आए रसदार मीठे फल, या फिर स्वाद भरी
सूखे मेवे से लिपटी मिठाईयां,
नए–नए रंगीन महंगे कपड़े।

कम वेतन, असुरक्षित भविष्य: रोजगार की बदलती तस्वीर



डॉ विजय गर्ग
लेखक



डॉ. विजय गर्ग

रोजगार सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन का एक महत्वपूर्ण आधार है। यह व्यक्ति को आर्थिक स्वतंत्रता, सामाजिक पहचान और समाज के विकास में योगदान देने का अवसर प्रदान करता है। लाखों युवाओं के लिए नौकरी प्राप्त करना जीवन का एक बड़ा लक्ष्य होता है। लेकिन आज तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था में केवल नौकरी मिल जाना ही आर्थिक सुरक्षा, पेशेवर संतुष्टि और स्थिर भविष्य की गारंटी नहीं रह गया है। कम वेतन, अस्थायी नियुक्तियाँ, नौकरी की अनिश्चितता और खराब कार्य परिस्थितियों ने रोजगार की परिभाषा ही बदल दी है।

परंपरागत रूप से नौकरी को लंबे समय तक आर्थिक स्थिरता का माध्यम माना जाता था। लोग नियमित वेतन, नौकरी की सुरक्षा, सेवानिवृत्ति लाभ और पदोन्नति के अवसरों की अपेक्षा करते थे। लेकिन आज अनेक क्षेत्रों में अस्थायी अनुबंध, आउटसोर्सिंग, गिग वर्क और अल्पकालिक नियुक्तियाँ तेजी से बढ़ रही हैं। ये व्यवस्थाएँ नियोक्ताओं और कभी-कभी कर्मचारियों को भी लचीलापन प्रदान करती हैं, लेकिन इनके कारण आय और भविष्य के रोजगार को लेकर अनिश्चितता भी बढ़ सकती है।

आज की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक शैक्षणिक योग्यता और वास्तविक रोजगार के अवसरों के बीच बढ़ता अंतर है। प्रत्येक वर्ष हजारों युवा कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से डिग्रियाँ लेकर सफल करियर के सपने देखते हैं। लेकिन उनमें से अनेक को अपनी योग्यता और अपेक्षाओं के अनुरूप नौकरी नहीं मिलती। कुछ युवा अपनी शैक्षणिक योग्यता से बहुत नीचे के पदों पर काम करने के लिए मजबूर होते हैं, जबकि कुछ उच्च व्यावसायिक डिग्रियाँ होने के बावजूद बेरोजगार रहते हैं। इससे शिक्षित युवाओं में निराशा, असंतोष और भविष्य को लेकर असुरक्षा पैदा होती है।

कम वेतन भी एक गंभीर समस्या है। अनेक क्षेत्रों में वेतन में वृद्धि जीवन-यापन की बढ़ती लागत के अनुपात में नहीं हो रही है। मकान का किराया, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएँ, परिवहन और दैनिक आवश्यकताओं पर होने वाला खर्च लगातार बढ़ रहा है। परिणामस्वरूप, नौकरी करने वाले अनेक लोग भी सम्मानजनक जीवन स्तर बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। जब कोई व्यक्ति पूरा समय काम करने के बावजूद अपने परिवार की बुनियादी आवश्यकताएँ पूरी नहीं कर पाता, तो रोजगार के वास्तविक उद्देश्य पर प्रश्न उठने लगता है।

गिग अर्थव्यवस्था के विस्तार ने परिवहन, डिलीवरी सेवाओं, फ्रीलांसिंग और डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसे क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा किए हैं। इन अवसरों से लोगों को स्वतंत्र रूप से काम करने और अपनी सुविधानुसार समय चुनने की संभावना मिलती है। लेकिन अनेक गिग वर्कर्स को अनियमित आय, सामाजिक सुरक्षा की कमी, अनिश्चित कार्य समय और सवेतन अवकाश जैसी सुविधाओं के अभाव का सामना करना पड़ता है। उनकी कमाई ग्राहकों की मांग, प्लेटफॉर्म की नीतियों और बाजार की परिस्थितियों पर निर्भर करती है। इसलिए लचीलेपन की कीमत श्रमिकों के बुनियादी अधिकारों से नहीं चुकाई जानी चाहिए। तकनीकी प्रगति और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक) भी रोजगार के स्वरूप को तेजी से बदल रही हैं। स्वचालन के कारण कई दोहराए जाने वाले कार्यों की आवश्यकता कम हो रही है, जबकि प्रौद्योगिकी, डेटा विश्लेषण, स्वास्थ्य सेवाओं, डिजिटल सेवाओं और आधुनिक विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में नए अवसर पैदा हो रहे हैं। जो कर्मचारी अपने कौशल को समय के साथ विकसित नहीं करेंगे, उनके लिए प्रतिस्पर्धा में बने रहना कठिन हो सकता है। इसलिए निरंतर सीखना, डिजिटल साक्षरता और व्यावसायिक प्रशिक्षण अब अत्यंत आवश्यक हो गए हैं। कार्यस्थल की गुणवत्ता भी रोजगार का एक महत्वपूर्ण पहलू है। लंबे कार्य घंटे, अत्यधिक लक्ष्य, कार्यस्थल का तनाव, सम्मान की कमी और पदोन्नति के सीमित अवसर कर्मचारियों के शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकते हैं। एक स्वस्थ कार्यस्थल में उचित व्यवहार, संतुलित कार्य समय, पेशेवर सम्मान और विकास के अवसर उपलब्ध होने चाहिए। रोजगार जीवन की गुणवत्ता सुधारने का माध्यम होना चाहिए, न कि लगातार चिंता और तनाव का कारण। महिलाओं और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के श्रमिकों को अतिरिक्त चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। अनेक महिलाओं को समान वेतन, करियर के अवसरों और पारिवारिक तथा व्यावसायिक जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाने में कठिनाइयाँ आती हैं। इसी प्रकार, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को लिखित अनुबंध, बीमा, सवेतन अवकाश और सेवानिवृत्ति लाभ जैसी सुविधाएँ नहीं मिल पातीं। समावेशी रोजगार व्यवस्था के लिए समाज के सभी वर्गों को समान अवसर और सुरक्षा प्रदान करना आवश्यक है। रोजगार की गुणवत्ता सुधारने की जिम्मेदारी सरकार, उद्योगों, शैक्षणिक संस्थानों और समाज की सामूहिक है। सरकार को श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा, कौशल विकास और स्थायी तथा उत्पादक रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देना चाहिए। नीतियों का उद्देश्य केवल नौकरियों की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि उचित वेतन, बेहतर कार्य परिस्थितियाँ, सामाजिक सुरक्षा और करियर में उन्नति के अवसर सुनिश्चित करना भी होना चाहिए। उद्योगों और नियोक्ताओं को यह समझना होगा कि कर्मचारी केवल व्यावसायिक लक्ष्य प्राप्त करने के साधन नहीं हैं। वे ऐसे मनुष्य हैं जिनकी गरिमा, स्वास्थ्य और पेशेवर विकास महत्वपूर्ण हैं। उचित वेतन, पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया, सुरक्षित कार्यस्थल, समय पर भुगतान और प्रशिक्षण के अवसर कर्मचारियों की संतुष्टि तथा उत्पादकता दोनों को बढ़ा सकते हैं।

भारत पर धनवर्षा का महाविस्फोट !विदेशी निवेशकों ने बदला अपना वैश्विक ठिकाना



किशन भावनानीं
लेखक



भारत की दीपावली इस वर्ष केवल दीपों, आतिश बाजी, खुशियों और मां लक्ष्मी की आराधना तक सीमित नहीं रही,बल्कि देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी एक बेहद शुभ आर्थिक संदेश लेकर आई है।दीपावली के आसपास भारतीय शेयर बाजार में आई ऐतिहासिक तेजी विदेशी निवेशकों की जबरदस्त वापसी,कच्चे तेल की कीमतों में भारीगिरावट और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की मजबूत वापसी ने अंतरराष्ट्रीय आर्थिक जगत का ध्यान भारत की ओर आकर्षित किया है।एक ओर एशिया के प्रमुख प्रौद्योगिकी बाजारों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी कंपनियोंके शेयरों में भारी बिकवाली ने निवेशकों की चिंता बढ़ाई,वहीं दूसरी ओर भारतीय बाजार ने इस वैश्विक उथल-पुथल के बीच अपनी अलग पहचान बनाई। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहूंगा कि विदेशी पूंजी का भारत की ओर रुख करना इस बात का संकेत है कि वैश्विक निवेशक अब भारत की विकास संभावनाओं, कंपनियों की कमाई और बाजार के मूल्यांकन को नए दृष्टिकोण से देख रहे हैं।ऐसा प्रतीत हो रहा है मानो दीपावली की शुभ रात्रि में मां महालक्ष्मी की कृपा ने भारतीय अर्थव्यवस्था को एक नई ऊर्जा प्रदान की हो। हालांकि,इस तेजी को स्थायी आर्थिक विजय मानने के बजाय इसके पीछे काम कर रहे वास्तविक आर्थिक कारकों को समझना भी उतना ही आवश्यक है।यह लेख निवेश सलाह नहीं, बल्कि आर्थिक घटनाक्रम का सटीकता से विश्लेषण है।

साथियों बात अगर हम डॉलर की अकड़ कमजोर, भारतीय रुपये ने लगाई सात महीने की छलांग!को समझने की करें तो दीपावली के बाद 9 नवंबर 2026 को भारतीय मुद्रा बाजार से भी उत्साहजनक खबर सामने आई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये ने शुरूआती कारोबार में 24 पैसे की मजबूती हासिल करते हुए93.74 रुपये प्रति डॉलर का स्तर छू लिया। यह लगभग सात महीने का उच्चतम स्तर बताया गया। इससे पहले शुक्रवार को रुपया 93.98 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। रुपये की इस मजबूती के पीछे केवल डॉलर की कमजोरी नहीं, बल्कि कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट, विदेशी निवेशकों की वापसी और पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की उम्मीदों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत जैसे देश के लिए रुपये की मजबूती का विशेष महत्व है, क्योंकि भारत अपनी जरूरत का लगभग 90 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करताहै।जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल महंगा होता है, तब भारत को आयात के लिए अधिक डॉलर खर्च करने पड़ते हैं।इससे विदेशी मुद्रा भंडार, चालू खाते के घाटे और रुपये पर दबाव बढ़ सकता है।इसके विपरीत कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भारत का आयात बिल कम करने में सहायता मिलती है।इसलिए रुपये की मौजूदा मजबूती को भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत के रूप में देखा जा सकता है।

फिर भी यह समझना आवश्यक है कि 93.74 का स्तर पिछलेमहीनों की तुलना में सुधार है, रुपये की ऐतिहासिक रूप से मजबूत स्थिति नहीं। असली चुनौती इस सुधार को लंबे समय तक बनाए रखने की होगी।

साथियों बात अगर हम ड्रैगनके पड़ोसियों में बेचैनी, भारत के बाजार में विदेशी पूंजी की बरसात!को समझने की करें तो इस आर्थिक घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू विदेशी निवेशकों की बदली हुई रणनीति है। पिछले कुछ समय से विदेशी निवेशकों की पूंजी का बड़ा हिस्सा अमेरिका तथा एशिया के प्रौद्योगिकी आधारित बाजारों की ओर जा रहा था। दक्षिण कोरिया और ताइवान जैसे देशों के शेयर बाजार कृत्रिम बुद्धिमत्ता, चिप निर्माण और तकनीकी कंपनियों से जुड़े निवेश के प्रमुख केंद्र बने हुए थे। लेकिन जब निवेशकों के मन में यह सवाल उठने लगा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में कंपनियां जितना विशाल निवेश कर रही हैं, उसके अनुपात में भविष्य में कमाई कितनी होगी, तब वैश्विक बाजारों में मुनाफावसूली और बिकवाली का दबाव बढ़ गया।इसका असर दक्षिण कोरिया ताइवान और जापान के बाजारों पर भी दिखाई दिया।इसी बदले हुए वातावरण में भारत विदेशी निवेशकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बनकर उभरा। बिजनेस स्टैंडर्ड की 6 नवंबर की रिपोर्ट के अनुसार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने पांच कारोबारी दिनों में भारतीय शेयरों में लगभग 45,960 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की। यह आंकड़ा अक्टूबर में विदेशी निवेशकों की लगभग 45,162 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली से भी अधिक महत्वपूर्ण वापसी को दर्शाता है।इस घटनाक्रम का व्यापक संदेश यह है कि अंतरराष्ट्रीय पूंजी किसी एक देश की स्थायी संपत्ति नहीं होती, बल्कि वह बेहतर अवसर, संभावित लाभ और जोखिम के संतुलन की तलाश में लगातार अपना ठिकाना बदलती रहती है। भारत को इस बदलाव का लाभ मिलता दिखाई दे रहा है। साथियों बात अगर हम संवत 2083 का आर्थिकआगाज दलाल स्ट्रीट पर 35 वर्षों का ऐतिहासिक धमाका! को समझने की करें तो,भारतीय शेयर बाजार की दीपावली से पहले की तेजी ने इस बार इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज कराया है।सेंसेक्स और निफ्टी लगातार सात कारोबारी सत्रों तक बढ़त के साथ बंद हुए। इस सात दिवसीय तेजी में सेंसेक्स लगभग 10.6 प्रतिशत यानी 7,782 अंक चढ़ा,जबकि निफ्टी में लगभग 10.27 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।पिछले 35 वर्षों में दीपावली से पहले इतनी बड़ी सात सत्रों की तेजी देखने को नहीं मिली थी। 6 नवंबर को सेंसेक्स 81,028.02 और निफ्टी 25,030.35 पर बंद हुआ। दोनों प्रमुख सूचकांकों ने 80,000 और 25,000 के महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक स्तरों को पार किया। इस तेजी के दौरान बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण लगभग 29.57 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 503.11 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। इसका अर्थ है कि निवेशकों की संपत्ति में एक सप्ताह के भीतर भारी वृद्धि हुई। वहीं 9 नवंबर को कारोबार समाप्त होने पर रॉयटर्स के अनुसार निफ्टी 50 लगभग 25,044.65 और सेंसेक्स 81,106.65 पर बंद हुआ। दोनों सूचकांक 27 फरवरी के बाद अपने सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंचे। इस प्रकार दीपावली के आसपास भारतीय बाजारों में उत्साह का सटीकता से वातावरण बना रहा। साथियों बात अगर हमभारत के पक्ष में काम कर रहे हैं तीन बड़े आर्थिक महाफैक्टर !को समझने की करें तो भारत की इस आर्थिक चमक के पीछे तीन प्रमुख कारक दिखाई दे रहे हैं।पहला और सबसे महत्वपूर्ण कारक कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट है। पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और अमेरिका-ईरान के बीच संभावित कूटनीतिक समाधान की उम्मीदों ने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में राहत पैदा की है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

मिशन शक्ति-6 से महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा का भरोसा, अधिकारों के प्रति किया जागरूक

आगरा में पुलिस की मिशन शक्ति और एंटी रोमियो टीमों ने चलाया जागरूकता अभियान, साइबर ठगी से बचाव और हेल्पलाइन नंबरों की दी जानकारी

वेलकम इंडिया ब्यूरो



आगरा। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित मिशन शक्ति-6 अभियान के तहत कमिश्नरेट आगरा पुलिस लगातार जागरूकता अभियान चला रही है। पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार के निर्देशन में मिशन शक्ति एवं एंटी रोमियो टीमों द्वारा विभिन्न थाना क्षेत्रों में महिलाओं और बालिकाओं से संवाद कर उन्हें सुरक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया।

अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनी अधिकारों, किसी भी आपात स्थिति में पुलिस से सहायता प्राप्त करने तथा डिजिटल और साइबर अपराधों से बचाव के महत्वपूर्ण उपायों की जानकारी दी। साथ ही उन्हें बताया गया कि ऑनलाइन ठगी या साइबर फ्रॉड की स्थिति में तत्काल संबंधित हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।

जागरूकता अभियान के दौरान 1090 महिला हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 112 आपातकालीन सेवा और 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन सहित UPCOP ऐप की सुविधाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। पुलिस टीमों ने जागरूकता संबंधी पंपलेट वितरित कर महिलाओं और बालिकाओं को जरूरत पड़ने पर उपलब्ध सरकारी सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। आगरा पुलिस का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं में सुरक्षा का विश्वास मजबूत करने के साथ उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक एवं आत्मनिर्भर बनाना है। अभियान के माध्यम से पुलिस ने संदेश दिया कि महिला सुरक्षा और सम्मान के लिए पुलिस सदैव तत्पर है।

दीपावली पर सुरक्षा का मजबूत पहरा, चप्पे-चप्पे पर मुस्तैद आगरा पुलिस

अकमिश्नरेट के सभी थानों में पुलिसकर्मियों ने संभाली सुरक्षा की कमान, बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में लगातार पैदल गश्त

वेलकम इंडिया ब्यूरो



आगरा। आगरा में रोशनी और खुशियों के पर्व दीपावली को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के लिए आगरा पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर व्यापक इंतजाम किए हैं। पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार के निर्देशन में कमिश्नरेट के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस बल को सतर्क रहने और लगातार गश्त करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में 8 नवंबर 2026 को कमिश्नरेट आगरा के समस्त थानों में तैनात पुलिस बल ने अपने-अपने क्षेत्रों में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पुलिसकर्मियों ने प्रमुख मार्गों, बाजारों, भीड़भाड़ वाले स्थानों और अन्य महत्वपूर्ण स्थलों पर भ्रमण कर आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निगरानी की। त्योहार के मद्देनजर पुलिस की सक्रियता का उद्देश्य आम नागरिकों में सुरक्षा का भरोसा बनाए रखना और शांति एवं कानून-व्यवस्था को कायम रखना है। पुलिसकर्मी पूरी सतर्कता के साथ अपने क्षेत्रों में भ्रमणशील रहकर सुरक्षा व्यवस्था पर नजर बनाए हुए हैं, ताकि शहरवासी बिना किसी परेशानी के दीपावली का त्योहार मना सकें। आगरा पुलिस ने स्पष्ट किया है कि त्योहार के दौरान सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल लगातार मुस्तैद रहेगा।

दीपावली-भाई दूज पर टांडा पालिका अध्यक्ष पति ने डीएम से की मुलाकात



वेलकम इंडिया ब्यूरो

टांडा(रामपुर)। दीपावली और भाई दूज के शुभ अवसर पर नगर पालिका परिषद टांडा के अध्यक्ष पति हाजी सरफराज आलम ने सोमवार को जिलाधिकारी अजय त्रिवेदी से उनके कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की। मुलाकात के दौरान हाजी सरफराज आलम ने जिलाधिकारी को पुष्पगुच्छ भेंट कर दीपावली व भाई दूज की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। दोनों के बीच टांडा नगर पालिका क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों, साफ-सफाई व्यवस्था, त्योहारों पर सुरक्षा, प्रकाश व्यवस्था और जनता की सुविधाओं को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। हाजी सरफराज आलम ने कहा कि दीपावली अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक है, जबकि भाई दूज भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का पर्व है। ये दोनों त्योहार भाईचारे और एकता का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी के मार्गदर्शन में नगर में विकास कार्यों को और गति मिलेगी। प्रशासन और पालिका मिलकर टांडा को स्वच्छ व विकसित नगर बनाने के लिए संकल्पित हैं।

महेशगज पुलिस ने हत्या मे वांछित रोहित पटेल को किया गिरफ्तार

वेलकम इंडिया ब्यूरो



प्रतापगढ़। महेशगज थानान्तर्गत ग्राम पूरे धुनू, रोहित अपने भाई मोहित के साथ मारपीट कर रहा था। वादी द्वारा बीच-बचाव करने पर आरोपी रोहित उसके साथ हाथापाई करने लगा। इसी दौरान वादी के पिता अमृतलाल बीच-बचाव करने पहुंचे तो आरोपी ने उन्हें जमीन पर पटककर उनके ऊपर चढ़कर गला दबा दिया, जिससे उनकी मृत्यु हो गई। इस संबंध में थाना महेशगंज पर मु0अ0सं0 286/2026 धारा 103(1) बीएनएस पंजीकृत किया गया था।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ द्वारा अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में पुलिस द्वारा लगातार दबिश देकर अभियुक्त की तलाश की जा रही थी।

पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ श्री दीपक भूकर के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) श्री बृजनन्दन राय एवं क्षेत्राधिकारी सदर श्री मनोज कुमार सिंह रघुवंशी के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी महेशगंज श्री भूपेश नाथ सिंह मय हमराह कां0 विशाल यादव, कां0 रामवीर सिंह, रि0का0 शरद कुमार गोंड, म0का0 एकता यादव एवं का0 सुमित सिंह (चालक) द्वारा अभियुक्त की तलाश की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर दिनांक 09.11.2026 को मु0अ0सं0 286/2026 धारा 103(1) बीएनएस से संबंधित अभियुक्त रोहित पटेल पुत्र हरिकेश पटेल उम्र करीब 24 वर्ष निवासी ग्राम पूरे धुनू, थाना महेशगंज, जनपद प्रतापगढ़ को थाना क्षेत्रान्तर्गत ग्राम रामनगर नहर पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त रोहित पटेल ने पूछताछ में बताया कि दीपावली के दिन उसका अपने भाई मोहित से झगड़ा हो रहा था। इसी दौरान अमृतलाल बीच-बचाव करने पहुंचे और मोहित को उससे अलग कर दिया। इसी खुन्नस में गुस्से में आकर उसने अमृतलाल को उठाकर सड़क पर पटक दिया तथा उनकी छाती पर बैठकर गला दबा दिया, जिससे उनकी मृत्यु हो गई। घटना के बाद वह मौके से फरार हो गया था और गिरफ्तारी से बचने के लिए छिपकर रह रहा था।

रोहित पटेल पुत्र हरिकेश पटेल उम्र करीब 24 वर्ष निवासी ग्राम पूरे धुनू, थाना महेशगंज, जनपद प्रतापगढ़। थाना प्रभारी महेशगंज श्री भूपेश नाथ सिंह मय हमराह कां0 विशाल यादव, कां0 रामवीर सिंह, रि0का0 शरद कुमार गोंड, म0का0 एकता यादव एवं का0 सुमित सिंह (चालक), थाना महेशगंज, जनपद प्रतापगढ़।

गढ़ गंगा कार्तिक मेले की तैयारियों का अपर पुलिस अधीक्षक ने लिया जायजा



वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। आगामी गढ़ गंगा कार्तिक मेला-2026 को सकुशल एवं शांतिपूर्ण संपन्न कराने के दृष्टिगत पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं।दिनांक 9 नवंबर 2026 को अपर पुलिस अधीक्षक महेश कुमार, गढ़मुक्तेश्वर सीओ राहुल यादव तथा थाना प्रभारी गढ़मुक्तेश्वर देवेंद्र बिष्ट ने थाना गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्रांतर्गत विभिन्न घाटों, पार्किंग स्थलों, वीआईपी रूट तथा गंगा स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के आगमन मार्गों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

इस दौरान अधिकारियों ने संबंधित पुलिसकर्मियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम आवागमन और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए।

छत्ता पुलिस का नशा तस्करों पर बड़ा प्रहार, अंतर्राज्यीय गैंग के तीन तस्कर गिरफ्तार

25 लाख रुपये कीमत का 36 किलो गांजा बरामद, पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार के निर्देशन में जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कार्रवाई

वेलकम इंडिया ब्यूरो



आगरा। आगरा में कमिश्नरेट आगरा में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना छत्ता पुलिस टीम ने अवैध गांजे की तस्करी करने वाले अंतर्राज्यीय गैंग के तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से 36 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। बरामद गांजे की अनुमानित अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब 25 लाख रुपये बताई गई है।

इस कार्रवाई को मादक पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क के खिलाफ पुलिस की महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।

पुलिस कमिश्नर के निर्देशन में आगरा पुलिस द्वारा नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि अपराध और अपराधियों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

नवाबगंज इन्सपेक्टर मनोज तोमर ने गरीब बच्चो सग मनाई दीवाली



वेलकम इंडिया ब्यूरो

प्रतापगढ़। दीपावली के पावन पर्व पर थाना नवाबगंज प्रभारी मनोज कुमार तोमर ने गरीब एवं जरूरतमंद बच्चों के बीच पहुंचकर उनके साथ त्योहार की खुशियां साझा कीं।

उन्होंने बच्चों को मिठाई खिलाकर दीपावली की शुभकामनाएं दीं। पुलिस अधिकारी को अपने बीच पाकर मासूम बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

थाना प्रभारी की इस पहल ने समाज को संदेश दिया कि त्योहार की असली खुशी दूसरों के चेहरों पर मुस्कान लाने में है। कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी निभाने के साथ जरूरतमंदों के बीच पहुंचकर खुशियां बांटने की इस पहल की क्षेत्र में चर्चा हो रही है।

दीपावली पर सुरक्षा का अभेद्य पहरा, शहर से बाजारों तक मुस्तैद आगरा पुलिस

कमिश्नरेट के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस की पैदल गश्त, प्रमुख मार्गों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष नजर

वेलकम इंडिया ब्यूरो



आगरा। आगरा में दीपावली के त्योहार पर आमजन की सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आगरा पुलिस पूरी तरह सतर्क है। पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार के निर्देशन में कमिश्नरेट आगरा के सभी थाना क्षेत्रों में व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। त्योहार के दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने और नागरिकों में सुरक्षा का भरोसा कायम रखने के लिए पुलिसकर्मी लगातार सड़कों पर मुस्तैद हैं।

इसी क्रम में कमिश्नरेट आगरा के समस्त थानों में तैनात पुलिस बल ने अपने-अपने क्षेत्रों में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पुलिसकर्मियों ने प्रमुख मार्गों, बाजारों, भीड़भाड़ वाले स्थानों और अन्य महत्वपूर्ण स्थलों पर भ्रमण कर स्थिति का निरीक्षण किया।

गश्त के दौरान पुलिस की सक्रियता के साथ कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आमजन की सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई। पुलिस बल को लगातार भ्रमणशील रहकर अपने क्षेत्रों में सतर्क निगरानी बनाए रखने पर जोर दिया गया।

आगरा पुलिस का उद्देश्य है कि दीपावली का पर्व प्रत्येक नागरिक के लिए सुरक्षित, शांतिपूर्ण और खुशियों भरा रहे। इसके लिए कमिश्नरेट पुलिस पूरी मुस्तैदी के साथ सुरक्षा व्यवस्था संभाल रही है।

युवक पर धारदार हथियारों से हमला

चाचा सहित तीन घायल,सात के खिलाफ मुकदमा दर्ज

वेलकम इंडिया ब्यूरो

टांडा। कोतवाली क्षेत्र के रामपुर धम्मन गांव में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक पर धारदार हथियारों और लाठी-डंडों से हमला कर दिया गया। हमले में अफजाल गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे बचाने पहुंचे उसके चाचा इमाम बख्श और अबरार को भी हमलावरों ने पीटकर घायल कर दिया। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने सात नामजद और सात-आठ अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांव निवासी जावेद आलम के मुताबिक, एक नवंबर की सुबह करीब साढ़े आठ बजे उसका चचेरा भाई अफजाल किसी काम से पर्वतपुर जा रहा था। आरोप है कि रास्ते में गांव के ही कदीर, आसिम, नूर मौ, नूर हसन, गुलाम फरीद, आसिफ और समतुल्ला समेत सात-आठ अज्ञात लोग पहले से घात लगाए बैठे थे। सभी ने एकराय होकर अफजाल को घेर लिया और धारदार हथियारों व लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में अफजाल के मुंह पर गंभीर चोटें आईं।

शोर सुनकर अफजाल के चाचा इमाम बख्श उसे बचाने पहुंचे तो हमलावरों ने उन पर भी हमला कर दिया। इस दौरान इमाम बख्श के भाई अबरार को भी पीटकर घायल कर दिया गया। हमले में इमाम बख्श के हाथ और सीने में गंभीर चोटें आईं, जबकि अबरार के सिर में चोट लगी। आरोप है कि हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।

जावेद आलम ने बताया कि घटना के बाद परिवार के लोग घायलों के इलाज और मेडिकल कराने में जुटे रहे। इसी कारण पुलिस में शिकायत दर्ज कराने में देरी हुई। बाद में पीड़ित पक्ष ने कोतवाली टांडा पहुंचकर तहरीर दी और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। घायलों का इलाज चल रहा है।

लोहिया वाहिनी में विवेक गंगवार को मिली अहम जिम्मेदारी, डॉ. रत्नेश गंगवार ने किया सम्मानित

मनोनयन पत्र सौंपकर संगठन विस्तार की जताई उम्मीद

वेलकम इंडिया ब्यूरो



बीसलपुर/पीलीभीत। समाजवादी पार्टी के युवा संगठन समाजवादी लोहिया वाहिनी में संगठनात्मक विस्तार के तहत विवेक गंगवार को जिला उपाध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके मनोनयन से समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर बीसलपुर में समाजवादी पार्टी के प्रबल दावेदार एवं पूर्व ब्लॉक प्रमुख डॉ. रत्नेश गंगवार के जनसंपर्क कार्यालय पर स्वागत एवं सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में डॉ. रत्नेश गंगवार ने नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष विवेक गंगवार को मनोनयन पत्र सौंपा। इसके साथ ही माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया और नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। मौजूद पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने भी फूल-मालाएं पहनाकर उनका अभिनंदन किया।इस मौके पर डॉ. रत्नेश गंगवार ने कहा कि किसी भी राजनीतिक संगठन की असली ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता और युवा साथी होते हैं।

युवाओं को संगठन में जिम्मेदारी मिलने से न केवल नई ऊर्जा का संचार होता है, बल्कि पार्टी की नीतियों और विचारधारा को आम जनता तक पहुंचाने में भी मजबूती मिलती है।

उन्होंने विश्वास जताया कि विवेक गंगवार अपनी सक्रियता, मेहनत और संगठनात्मक क्षमता के दम पर लोहिया वाहिनी को जिले में नई पहचान दिलाने का काम करेंगे।

वहीं, नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष विवेक गंगवार ने पार्टी नेतृत्व और डॉ. रत्नेश गंगवार का आभार जताते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका निर्वहन पूरी ईमानदारी और निष्ठा से करेंगे। संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना और युवाओं को पार्टी से जोड़ना उनकी प्राथमिकता रहेगी।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की नीतियों और विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरी सक्रियता से कार्य करेंगे।कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजवादी नेताओं, क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं और युवा समर्थकों की मौजूदगी रही। सभी ने विवेक गंगवार के मनोनयन पर खुशी जताते हुए उनके उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना की।

ऑपरेशन स्माइल के तहत हापुड़ देहात पुलिस ने मानसिक रूप से कमजोर युवक को परिजनों से मिलाया



वेलकम इंडिया ब्यूरो

हापुड़। हापुड़ पुलिस द्वारा जनपद में चलाए जा रहे ऑपरेशन स्माइल अभियान के अंतर्गत थाना हापुड़ देहात पुलिस ने सराहनीय कार्य करते हुए अपने घर जनपद बुलंदशहर से रास्ता भटककर थाना क्षेत्र में लावारिस अवस्था में घूम रहे मानसिक रूप से कमजोर युवक को अथक प्रयासों के बाद उसके परिजनों से मिलाया।पुलिस के अनुसार, थाना हापुड़ देहात पुलिस को तेल मिल स्थित सरकारी कॉलोनी कसना व थाना सिकंदराबाद, जनपद बुलंदशहर निवासी युवक के रास्ता भटककर क्षेत्र में घूमने की जानकारी मिली। पुलिस टीम ने युवक की पहचान और उसके परिजनों का पता लगाने के लिए लगातार प्रयास किए। आखिरकार पुलिस ने युवक को उसके परिजनों से मिलवा दिया। अपने युवक को सकुशल पाकर परिजनों ने हापुड़ पुलिस का आभार व्यक्त करते हुए पुलिस टीम की भूरी-भूरी प्रशंसा की। युवक को परिजनों से मिलाने वाली पुलिस टीमःउपनिरीक्षक अमित कुमार, थाना हापुड़ देहात।

उत्तराखण्ड राज्य स्थापना दिवस : मुख्यमंत्री ने शहीद स्मारक पर राज्य आंदोलन के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

वेलकम इंडिया ब्यूरो







देहरादून। उत्तराखण्ड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर कचहरी परिसर स्थित शहीद स्मारक पर मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने पुष्पांजलि अर्पित कर राज्य आंदोलन के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने पृथक उत्तराखण्ड राज्य के निर्माण के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों को नमन करते हुए उनके संघर्ष और बलिदान का स्मरण किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य का निर्माण आंदोलनकारियों के लंबे संघर्ष, त्याग और बलिदान का परिणाम है। राज्य आंदोलन में मातृशक्ति, युवाओं, छात्रों, पूर्व सैनिकों सहित समाज के सभी वर्गों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। सभी के सामूहिक संघर्ष और संकल्प से पृथक उत्तराखण्ड राज्य का सपना साकार हुआ। उन्होंने कहा कि राज्य निर्माण के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर शहीदों का योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा।



मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि उत्तराखण्ड अपनी स्थापना के 26 वर्ष पूर्ण कर विकास की नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है। इन वर्षों में प्रदेश ने अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए विकास के विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य में सड़क, रेल, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार को नई गति मिली है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आंदोलनकारियों की भावनाओं और आकांक्षाओं के अनुरूप उत्तराखण्ड को समृद्ध, सशक्त और आत्मनिर्भर राज्य बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश के दूरस्थ एवं पर्वतीय क्षेत्रों तक विकास का लाभ पहुंचाने के साथ ही युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाना और पलायन रोकना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य स्थापना दिवस हमें अपने गौरवशाली संघर्ष और बलिदान को स्मरण करने के साथ ही विकसित उत्तराखण्ड के निर्माण के संकल्प को और मजबूत करने की प्रेरणा देता है। राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और मूल पहचान को संरक्षित रखते हुए उत्तराखण्ड को देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में स्थापित करना हमारा लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि शहीद आंदोलनकारियों के सपनों के अनुरूप उत्तराखण्ड का निर्माण ही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री खजान दास, सचिव श्री युगल किशोर पंत, जिलाधिकारी देहरादून डॉ. आशीष चौहान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री प्रमेन्द्र डोभाल मौजूद थे।

गैरसैण पहुंचे सीएम मुख्यमंत्री ने गैरसैंण (भराड़ीसैंण) पहुंचकर राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित परेड का निरीक्षण किया।

जर्जर सड़क पर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा, पीडब्ल्यूडी के खिलाफ किया जोरदार प्रदर्शन



वेलकम इंडिया ब्यूरो

गोरा/पीलीभीत। थाना सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के ग्राम केसरपुर कला में बदहाल सड़क को लेकर रविवार को ग्रामीणों का आक्रोश सड़कों पर दिखाई दिया। वर्षों से मरम्मत की प्रतीक्षा कर रहे मार्ग की दुर्दशा से परेशान ग्रामीणों ने एकत्र होकर जोरदार प्रदर्शन किया और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के खिलाफ नाराजगी जताते हुए जल्द सड़क निर्माण की मांग उठाई ग्रामीणों का कहना है कि जिला पीलीभीत और शाहजहांपुर की सीमा से जुड़े बरकलीगंज गांव से केसरपुर कला की ओर जाने वाला मार्ग आसपास के कई गांवों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। प्रतिदिन हजारों लोग इसी रास्ते से बाजार, स्कूल, अस्पताल और अन्य जरूरी कामों के लिए आवागमन करते हैं। इसके बावजूद सड़क की हालत सुधारने के लिए अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे और उबड़-खाबड़ रास्ता होने से वाहन चालकों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। दोपहिया वाहन सवारों के लिए यह मार्ग जोखिम भरा बना हुआ है, जबकि चारपहिया और भारी वाहनों को भी निकलने में काफी दिक्कत होती है। बारिश के दौरान स्थिति और विकट हो जाती है। ऐसे में राहगीरों को दुर्घटनाओं का डर सताता रहता है।प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सड़क की मरम्मत को लेकर कई बार संबंधित अधिकारियों से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है।

नाला चोक होने से रायपुर मार्ग बना तालाब, गंदे पानी के बीच निकलने को मजबूर ग्रामीण

स्कूली बच्चों की राह हुई मुश्किल, कीचड़ और जलभराव से हादसों का खतरा; शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार बेखबर

वेलकम इंडिया ब्यूरो



पूरनपुर/पीलीभीत। सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के अंतर्गत रायपुर मार्ग पर जलनिकासी की बदहाल व्यवस्था ने ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। मुख्य मार्ग पर नाला लंबे समय से चोक होने के कारण गंदा पानी सड़क पर जमा हो रहा है। हालात ऐसे हैं कि सड़क और नाले के पानी के बीच अंतर करना मुश्किल हो गया है। जलभराव के चलते राहगीरों, वाहन चालकों और स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

इस समस्या का सबसे ज्यादा खामियाजा स्कूली बच्चों को भुगतना पड़ रहा है। सुबह और दोपहर स्कूल आने-जाने के दौरान बच्चों को गंदे पानी और कीचड़ से होकर गुजरना पड़ता है। इससे उनके कपड़े खराब हो रहे हैं। वहीं गंदे पानी के लंबे समय तक जमा रहने से संक्रामक बीमारियां फैलने की आशंका भी बनी हुई है। ग्रामीणों के मुताबिक, पानी से भरे गड्ढों में गिरकर कुछ बच्चे चोटिल भी हो चुके हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि नाले की नियमित सफाई नहीं होने और जलनिकासी की उचित व्यवस्था न होने से समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। नालियों का गंदा पानी सड़क पर बहने के साथ ही जगह-जगह जमा रहता है। बदबू और कीचड़ के कारण आसपास रहने वाले लोगों का भी बुरा हाल है। इस मार्ग से गुजरने वाले दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों के लिए भी आवागमन जोखिम भरा हो गया है। सड़क पर पानी भरा होने के कारण गड्ढे दिखाई नहीं देते, जिससे वाहन चालकों को दुर्घटना का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार संबंधित अधिकारियों और ग्राम प्रधान को समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं कराया गया। क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि रायपुर मार्ग के चोक नाले की तत्काल सफाई कराई जाए और पानी की निकासी के लिए प्रभावी व्यवस्था की जाए।

शानो-शौकत और अकीदत के साथ मनाया गया 13वां सालाना उर्स-ए-मकसूदी



वेलकम इंडिया ब्यूरो

अमरिया/पीलीभीत। अमरिया क्षेत्र के ग्राम धुंधरी स्थित प्रसिद्ध दरगाह मकसूदुल औलिया खानकाह हसनी मकसूदी जहांगीरी में हजरत ख्वाजा सूफी मकसूद हसन शाह रहमतुल्लाह अलैह का चार दिवसीय 13वां सालाना उर्स-ए-मकसूदी बड़े ही अकीदत, एहतराम और शानो-शौकत के साथ मनाया जा रहा है। खानकाह के सज्जादानशीन हजरत ख्वाजा सूफी शाकिर हुसैन मियां की सरपरस्ती में आयोजित उर्स में बड़ी संख्या में जायरीन और अकीदतमंद शामिल हुए।कार्यक्रम में मेहमान- ए-खुसूसी के रूप में दरगाह शाहे मनअम पाक, पटना (बिहार) के सज्जादानशीन डॉ. शाह शमीमुद्दीन अहमद मुनेमी मियां ने शिरकत की। उन्होंने अपने संबोधन में बुजुर्गों की जिंदगी, उनकी तालीम और इंसानियत के प्रति उनके संदेश पर रोशनी डाली। उन्होंने कहा कि पीर-फकीरों और बुजुर्गों के आस्तानों पर हर मजहब के लोग अकीदत के साथ पहुंचते हैं। जरूरत इस बात की है कि लोग पीर-ए-तरीकत और मारिफत की तालीम को समझें तथा बुजुर्गों के बताए रास्ते पर चलकर समाज में मोहब्बत और भाईचारे को मजबूत करें। उर्स के दौरान हल्का-ए-जिक्र, सलातो-सलाम, चादरपोशी, गुलपोशी, शब्बेदारी और महफिले शमा सहित कई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। शायरे इस्लाम ने नातिया और मनकबत कलाम पेश कर माहौल को रूहानी बना दिया।

दीपावली पर पूरनपुर में विकास का उजाला, चेयरमैन शैलेंद्र गुप्ता की चौतरफा सराहना

नगर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने की मुहिम को मिल रही चर्चा, विकास कार्यों से नई पहचान दिलाने का लक्ष्य

वेलकम इंडिया ब्यूरो



पूरनपुर/पीलीभीत। दीपावली के पर्व पर पूरनपुर नगर में उत्साह और रौनक का माहौल है। बाजारों से लेकर मोहल्लों तक त्योहार की तैयारियां दिखाई दे रही हैं। इसी बीच नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार गुप्ता द्वारा नगर की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की भी चर्चा हो रही है। नगर के विकास, स्वच्छता और बुनियादी सुविधाओं को लेकर उनकी सक्रियता को लेकर नागरिकों के बीच सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है।नगर पालिका अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार गुप्ता का प्रयास है कि पूरनपुर को एक व्यवस्थित, स्वच्छ और सुंदर नगर के रूप में पहचान मिले। इसके लिए नगर की साफ-सफाई, सड़कों के निर्माण, जल निकासी और अन्य जनसुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया जा रहा है। दीपावली जैसे बड़े त्योहार पर नगर की सुंदरता और सफाई व्यवस्था को लेकर विशेष ध्यान दिए जाने की अपेक्षा रहती है। ऐसे में नगर की व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के प्रयासों की सराहना हो रही है।शहर के विकास को केवल निर्माण कार्यों तक सीमित न रखते हुए आम नागरिकों की समस्याओं को समझना भी जरूरी है। इस दिशा में चेयरमैन शैलेंद्र कुमार गुप्ता की कार्यशैली को लेकर समर्थकों और स्थानीय नागरिकों का कहना है कि वह नगर की समस्याओं को गंभीरता से लेते हैं। किसी मोहल्ले में सफाई, सड़क या जल निकासी से जुड़ी परेशानी सामने आने पर उसका समाधान कराने की दिशा में पहल की जाती है।नगर पालिका अध्यक्ष की जिम्मेदारी सिर्फ योजनाओं को स्वीकृति दिलाने तक सीमित नहीं होती, बल्कि उन योजनाओं का लाभ आम जनता तक पहुंचाना भी महत्वपूर्ण होता है। शैलेंद्र कुमार गुप्ता इसी सोच के साथ नगर के विकास को आगे बढ़ाने में जुटे हुए हैं। नागरिकों की अपेक्षा है कि विकास कार्यों की गुणवत्ता बनी रहे और प्रत्येक वार्ड को समान रूप से सुविधाओं का लाभ मिले।दीपावली के अवसर पर नगर में दिखाई दे रही चहल-पहल के बीच चेयरमैन के प्रयासों की चर्चा यह संदेश दे रही है कि स्थानीय निकाय की सक्रियता से शहर की तस्वीर बेहतर बनाई जा सकती है। अब नगरवासियों को उम्मीद है कि इसी गति से विकास और स्वच्छता के कार्य आगे भी जारी रहेंगे, जिससे पूरनपुर को एक नई पहचान मिल सके।

ईलना में तालाब में डूबने से अधेड़ आदमी की मौत

वेलकम इंडिया संवाददाता



औरंगाबाद/बुलंदशहर। गांव ईलना में एक व्यक्ति की तालाब में डूबने से मौत हो गई। ग्रामीणों के साथ ग्राम प्रधान ने लाश को तालाब से निकलवाया। परिजनों ने मृतक का अंतिम संस्कार कर दिया। पुलिस ने जानकारी से इंकार किया है। औरंगाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम ईलना में आरिफ पुत्र नबाब उम्र लगभग 40 वर्ष रविवार शाम को घर से जंगल गया था। ग्रामीणों ने बताया कि आरिफ को मिर्गी के दौरे पड़ते थे। सोमवार को गांव के डहर वाले तालाब में आरिफ की लाश देख गांव वालों का जमावड़ा लग रहा। सूचना पाकर ग्राम प्रधान/प्रशासक योगेन्द्र सिंह लोधी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणो की सहायता से लाश को तालाब से बाहर निकलवाया। बताया जाता है कि आरिफ की पत्नी काफी समय पहले उसे तलाक दे कर जा चुकी है। ग्रामीणों ने बताया कि आरिफ रविवार को शाम शौच हेतु तालाब की ओर गया था। संभावना है कि उसी समय उसे मिर्गी का दौरा पड़ा और वह तालाब में गिर गया। उसके भाईयों ने आरिफ को गमगीन माहौल में सुपुर्द ए खाक कर दिया।

24 नवंबर को पूरनपुर में सजेगा ऑल इंडिया निजाम- ए-मुस्तफा कॉन्फ्रेंस का मंच

वेलकम इंडिया ब्यूरो



पूरनपुर/पीलीभीत। नगर के मोहल्ला खानकाह, वार्ड नंबर 15 में रविवार को अजहरी एकेडमी की ओर से आगामी 24 नवंबर को आयोजित होने वाली सालाना ऑल इंडिया निजाम-ए-मुस्तफा कॉन्फ्रेंस की तैयारियों को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहर के प्रतिष्ठित उलमा-ए-किराम, मस्जिदों के इमाम, सामाजिक प्रतिनिधियों और कॉन्फ्रेंस से जुड़े कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। सभी ने अपने सुझाव प्रस्तुत करते हुए आयोजन को सफल बनाने के लिए पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया।बैठक में कॉन्फ्रेंस को व्यवस्थित और भव्य रूप देने के उद्देश्य से एडवाइजरी टीम का गठन किया गया। साथ ही अजहरी एकेडमी के सदस्यों और नगर के सक्रिय युवाओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गईं। हाफिज अरबाज रजवी को कॉन्फ्रेंस इंचार्ज तथा मौलाना तौसीफ बुखारी को एडवाइजरी टीम का संयोजक नियुक्त किया गया।आयोजकों के मुताबिक यह सम्मेलन धार्मिक शिक्षाओं के प्रचार-प्रसार के साथ सामाजिक सुधार, आपसी भाईचारे और मिल्ली जागरूकता का संदेश देगा। इसमें देश के विभिन्न हिस्सों से प्रतिष्ठित उलमा और शायर शिरकत करेंगे। वक्ताओं के माध्यम से नशाखोरी, सामाजिक बुराइयों और युवा पीढ़ी में बढ़ती नैतिक चुनौतियों जैसे विषयों पर विचार रखे जाएंगे।कॉन्फ्रेंस की सरपरस्ती दरगाह आला हजरत, बरेली शरीफ के सज्जादानशीन हजरत अल्लामा मुफ्ती अहसन रजा खां करेंगे। मुख्य वक्ताओं में दारुल उलूम वारसिया लखनऊ के हजरत अल्लामा कारी इकबाल अहमद कादरी, पूर्व राज्यसभा सांसद एवं बिहार राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष मौलाना गुलाम रसूल बलियावी, मुरादाबाद के अल्लामा हम्माद रजा, देवा शरीफ के मौलाना गुलाम वारिस, शायरे हिंदुस्तान असद इकबाल कलकत्तवी, कारी मोहम्मद अली फैजी और मौलाना गुलाम नूरे मुजस्सम शामिल रहेंगे।

पटाखे की चपेट में आने से 17 वर्षीय अजय झुलसा, हालत गंभीर, मुरादाबाद रेफर

वेलकम इंडिया ब्यूरो



टांडा। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत नगर से सटे गांव बादली में दीपावली की रात आतिशबाजी के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। पटाखे की चपेट में आने से 17 वर्षीय अजय वर्मा गंभीर रूप से झुलस गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। परिजन आनन-फानन में उसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने उसे मुरादाबाद रेफर कर दिया।

जानकारी के अनुसार, गांव बादली निवासी अजय वर्मा दीपावली का त्योहार मनाने अपने घर आया हुआ था। रात करीब 11 बजे वह गांव के कुछ युवकों के साथ आतिशबाजी कर रहा था। इसी दौरान किसी अन्य युवक ने पटाखा छोड़ दिया, अजय उसकी चपेट में आ गया। पटाखे के धमाके से उसके कपड़ों में आग लग गई। इससे उसके दोनों पैर और शरीर का निचला हिस्सा बुरी तरह झुलस गया।

पत्रकार लोकतंत्र के सजग प्रहरी, उनकी कलम से समाज को मिलती है दिशा : डॉ. दिनेश राठौर

वेलकम इंडिया ब्यूरो



पीलीभीत। दीपावली के पावन पर्व पर सामाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारे की मिसाल पेश करते हुए भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला मंत्री डॉ. दिनेश राठौर ने नगर के एक होटल में पत्रकारों के साथ दीपावली की खुशियां साझा कीं। इस अवसर पर उन्होंने नगर एवं क्षेत्र के पत्रकारों को मिष्ठान भेंटकर दीपावली की शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य एवं सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम के दौरान डॉ. दिनेश राठौर ने उपस्थित पत्रकारों को मिठाई खिलाकर उनका मुंह मीठा कराया। पत्रकारिता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि पत्रकार केवल लोकतंत्र का चौथा स्तंभ ही नहीं, बल्कि समाज के सजग प्रहरी भी हैं। उनकी कलम समाज को सही दिशा दिखाने के साथ ही आमजन की समस्याओं को जिम्मेदार लोगों तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य करती है।उन्होंने कहा कि पत्रकार विपरीत परिस्थितियों में भी अपने दायित्वों का निर्वहन करते हैं। भीषण गर्मी, कड़ाके की ठंड और बारिश के बीच भी समाचार संकलन कर जनता तक सच्चाई पहुंचाना आसान काम नहीं है। आज के समय में निष्पक्ष, निर्भीक और तथ्यपरक पत्रकारिता की जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है।डॉ. राठौर ने कहा कि पूरनपुर क्षेत्र के पत्रकारों ने हमेशा जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया है। गरीबों की समस्याओं, किसानों की आवाज, विकास कार्यों और आम नागरिकों से जुड़े विषयों को समाचारों के माध्यम से सामने लाकर पत्रकार समाज के प्रति अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

धूमधाम से मनाया गया राज्य स्थापना दिवस: आंदोलनकारियों एवं उनके परिजनों को किया सम्मानित







वेलकम इंडिया ब्यूरो

बागेश्वर। उत्तराखंड राज्य स्थापना की 26वीं वर्षगांठ जनपद बागेश्वर में हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर कोतवाली स्थित शहीद स्मारक परिसर में जिलाधिकारी अपूर्वा पाण्डे एवं पुलिस अधीक्षक जितेंद्र मेहरा ने पुष्पांजलि अर्पित कर राज्य आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि दी तथा उनके त्याग और बलिदान को नमन किया। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर प्रातः एनसीसी एवं एनएसएस के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रभात फेरी निकाली साथ ही प्रभात फेरी में शामिल विद्यार्थियों ने 'हमारा उत्तराखण्ड कैसा हो, शहीदों के सपनों जैसा हो', 'हमें चाहिए कैसा उत्तराखण्ड, शिक्षित उत्तराखण्ड, समृद्ध उत्तराखण्ड' तथा 'सारी धरती सारा अंबर, हमको प्यारा नौ नवंबर' जैसे नारों के उद्घोष के साथ राज्य आंदोलन के शहीदों को भावपूर्ण स्मरण किया। इसके उपरांत खेल विभाग द्वारा क्रॉस कंट्री दौड़ का आयोजन किया गया।नुमाइशखेत मैदान में आयोजित सम्मान समारोह का शुभारंभ जिलाधिकारी अपूर्वा पाण्डे एवं विधायक पार्वती दास ने किया। इस दौरान राज्य आंदोलनकारियों एवं उनके परिजनों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। आंदोलनकारियों ने अपने संघर्ष के अनुभव साझा करते हुए राज्य के समग्र विकास, जनसमस्याओं के समाधान एवं बेहतर भविष्य के लिए अपने महत्वपूर्ण सुझाव भी रखे। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। लोकगीतों एवं लोकनृत्यों के माध्यम से उत्तराखंड की समृद्ध लोकसंस्कृति और परंपराओं की सुंदर झलक देखने को मिली।

साथ ही सूचना विभाग द्वारा राज्य

शिकारपुर में शराब ठेके पर ओवररेटिंग का खेल, विरोध करने पर धमकियां देने का आरोप

खाकी वर्दी तक को नहीं बख्श रहे सेल्समैन, उपनिरीक्षक से अभद्रता का आरोप; आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर (बुलंदशहर)। नगर की जहांगीराबाद चुंगी के पास स्थित अंग्रेजी शराब के ठेके पर कथित ओवररेटिंग का मामला सामने आने से आबकारी विभाग की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। आरोप है कि ठेके पर निर्धारित सरकारी मूल्य से अधिक रुपये वसूले जा रहे हैं। विरोध करने वाले ग्राहकों को कथित तौर पर धमकियां दी जाती हैं। सोमवार को सादे कपड़ों में पहुंचे एक पुलिस उपनिरीक्षक के साथ भी सेल्समैन द्वारा अभद्र व्यवहार किए जाने का आरोप सामने आया है।



जानकारी के अनुसार सोमवार को एक उपनिरीक्षक सादे कपड़ों में जहांगीराबाद चुंगी स्थित अंग्रेजी शराब के ठेके पर पहुंचे। उन्होंने सेल्समैन से ब्लेंडर्स प्राइड ब्लू की एक बोतल की कीमत पूछी। आरोप है कि सेल्समैन ने बोतल की कीमत 1050 रुपये बताई। इस पर उपनिरीक्षक ने निर्धारित सरकारी कीमत 1040 रुपये बताते हुए दस रुपये अधिक वसूलने पर सवाल उठाया। आरोप है कि इस बात पर सेल्समैन भड़क गया और ऊंची आवाज में कहने लगा कि लेनी है तो ले लो, नहीं तो आगे चलो, जहां शिकायत करनी है कर लो, हमारा कुछ नहीं बिगड़ने वाला।

बताया जाता है कि सेल्समैन का यह रवैया देखकर उपनिरीक्षक भी हैरान रह गए। घटना के बाद सवाल उठने लगे हैं कि जब पुलिस उपनिरीक्षक के साथ कथित तौर पर इस तरह का व्यवहार किया जा सकता है तो आम ग्राहकों के साथ ठेके पर कैसा बर्ताव होता होगा।

अधिकारियों को मुफ्त शराब देने तक के लगाए गए आरोप

मामले में एक और गंभीर आरोप सामने आया है। दावा किया गया है कि ठेके के कर्मचारियों द्वारा आबकारी विभाग के अधिकारियों से लेकर पुलिस अधिकारियों तक को मोटी रकम देने और दीपावली पर शराब की पेटियां मुफ्त में उपलब्ध कराने की बात कही गई। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। यदि इन आरोपों में सच्चाई है तो यह गंभीर जांच का विषय है और संबंधित अधिकारियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच जरूरी है। घटना की सूचना मिलने पर उपनिरीक्षक ने शिकारपुर कोतवाली पुलिस को जानकारी दी। इसके बाद पुलिस की फैंटम टीम हूटर बजाते हुए मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर ठेके के कर्मचारियों में हलचल मच गई। हालांकि अब सवाल यह है कि पुलिस के मौके पर पहुंचने के बाद कथित ओवररेटिंग के मामले में कोई ठोस कार्रवाई होगी या मामला केवल औपचारिकता तक सीमित रह जाएगा।

अधिकारी भी सवालों के घेरे में

इस संबंध में एसडीएम प्रतीक्षा पांडेय से जानकारी की गई तो उन्होंने बताया कि दो-चार दिन में अभियान चलवाया जाएगा। साथ ही वह आबकारी विभाग से भी बात करेंगी। वहीं आबकारी इंस्पेक्टर मनोज पटेल से मामले में पक्ष जानने का प्रयास किया गया, लेकिन उनकी ओर से कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिल सका। स्थानीय स्तर पर सवाल उठ रहे हैं कि जब नगर के प्रमुख चौराहे के पास स्थित शराब ठेके पर निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली की शिकायतें सामने आ रही हैं तो आबकारी विभाग के अधिकारी नियमित निगरानी क्यों नहीं कर रहे हैं? क्या विभाग की जिम्मेदारी केवल समय-समय पर अभियान चलाने और औपचारिकता पूरी करने तक सीमित रह गई है? अब देखना यह होगा कि जिला आबकारी अधिकारी और संबंधित उच्चाधिकारी मामले को कितनी गंभीरता से लेते हैं। क्या ठेके की जांच कर निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली और कर्मचारियों के कथित दुर्व्यवहार पर कार्रवाई की जाएगी, या फिर शिकारपुर के ग्राहकों को इसी तरह कथित मनमानी का सामना करना पड़ेगा?

बाल आश्रम के बच्चों के बीच पहुंचे चेयरमैन जगत जायसवाल, मनाई दीपावली

बच्चों को पटाखे जलाते समय बरती जाने वाली सावधानियों की दी जानकारी, सुरक्षित एवं पर्यावरण अनुकूल दीपावली मनाने का किया आह्वान



वेलकम इंडिया ब्यूरो

संतकबीरनगर। दीपावली के पावन पर्व पर नगर पालिका परिषद खलीलाबाद के चेयरमैन जगत जायसवाल बाल आश्रम पहुंचे। यहां उन्होंने आश्रम में रहने वाले अनाथ बच्चों के साथ दीपावली की खुशियां साझा कीं और उन्हें त्योहार की शुभकामनाएं देते हुए सुरक्षित दीपावली मनाने के प्रति जागरूक किया।

इस दौरान चेयरमैन ने बच्चों से आत्मीयता के साथ बातचीत की और उन्हें दीपावली के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि दीपावली खुशियों, प्रकाश और आपसी प्रेम का पर्व है। इसे उत्साह के साथ मनाने के साथ ही अपनी और दूसरों की सुरक्षा का ध्यान रखना भी बेहद जरूरी है।

उन्होंने बच्चों को पटाखे जलाने के दौरान विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी। कहा कि पटाखे हमेशा बड़ों की देखरेख में खुले स्थान पर ही जलाएं। ज्वलनशील पदार्थों से दूर रहें और पटाखे जलाते समय सुरक्षित दूरी बनाए रखें। पटाखों को हाथ में पकड़कर जलाने तथा नहीं फूटने वाले पटाखों को दोबारा जलाने की गलती न करें। उन्होंने बच्चों को आग से बचाव के उपायों के प्रति भी जागरूक किया।

चेयरमैन जगत जायसवाल ने कहा कि त्योहार का वास्तविक आनंद दूसरों के चेहरे पर मुस्कान लाने और आपसी भाईचारे के साथ खुशियां बांटने में है। दीपावली के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का भी ध्यान रखना चाहिए और किसी भी प्रकार की लापरवाही से बचना चाहिए।

बाल आश्रम में बच्चों के बीच पहुंचकर दीपावली मनाने की इस पहल से त्योहार की खुशियां साझा करने और बच्चों को सुरक्षित ढंग से पर्व मनाने का संदेश दिया गया।

दीपावली पर पत्रकार जेपी गौतम का सम्मान, दीवार घड़ी व मिष्ठान भेंटकर दी शुभकामनाएं



वेलकम इंडिया संवाददाता

रामघाट (बुलंदशहर)। दीपावली के पावन पर्व पर श्री भागीरथी आदर्श रामलीला कमेटी के प्रबंधक एवं प्रधान पति लक्ष्मण शर्मा ने पत्रकार जेपी गौतम को दीवार घड़ी एवं मिष्ठान भेंटकर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। लक्ष्मण शर्मा ने कहा कि पत्रकार समाज का आईना होता है। वह अपनी लेखनी के माध्यम से समाज की समस्याओं और सच्चाई को जनता तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य करता है। गांव, कस्बे और जिले की खबरों को प्रमुखता से प्रकाशित करने में पत्रकारों की अहम भूमिका होती है। इसलिए पत्रकारों का सम्मान करना हम सभी का दायित्व है। वहीं, दीपावली के अवसर पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष एवं भाजपा नेता सत्यवीर सिंह यादव तथा व्यापार मंडल अध्यक्ष विकास अग्रवाल ने भी पत्रकार जेपी गौतम को कपड़े एवं मिष्ठान भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर पत्रकार जेपी गौतम ने लक्ष्मण शर्मा, सत्यवीर सिंह यादव एवं विकास अग्रवाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान केवल उनका नहीं, बल्कि संपूर्ण पत्रकारिता जगत का सम्मान है।

शिकारपुर में गलियों तक पहुंची आतिशबाजी, नाबालिग बच्चों से कराई गई बिक्री

कुछ वर्ष पहले भी आतिशबाजी की दुकानों में आग लगने से जा चुकी हैं बच्चे की जान, कई हुए थे घायल फिर भी प्रशासन ने नहीं लिया सबक

वेलकम इंडिया ब्यूरो

शिकारपुर (बुलंदशहर)। दीपावली के दिन शिकारपुर नगर में आतिशबाजी की बिक्री को लेकर सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए। नगर की गलियों में नाबालिग बच्चों से आतिशबाजी बिकवाए जाने का मामला सामने आया। इस दृश्य ने कस्बा चौकी इंचार्ज और तहसील प्रशासन की निगरानी व्यवस्था पर सवालिया निशान लगा दिए। बताया गया कि इस बार ग्रीन पटाखों की बिक्री के लिए तहसील प्रशासन की ओर से लाइसेंस जारी किए गए थे। आतिशबाजी की बिक्री के लिए शिकारपुर के रामलीला मैदान को निर्धारित किया गया था, जहां बाकायदा पटाखों की दुकानें भी लगाई गई थीं। इसके बावजूद दीपावली के दिन नगर के गली-मौहल्लों में जगह-जगह आतिशबाजी बिकती दिखाई दी। आरोप है कि कई स्थानों पर निर्धारित मानकों का पालन किए बिना आतिशबाजी बेची जा रही थी और नाबालिग बच्चों से भी बिक्री कराई जा रही थी। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब आतिशबाजी की बिक्री के लिए एक निर्धारित स्थान तय किया गया था, तो फिर नगर की गलियों में बारूद और पटाखों की बिक्री कैसे होती रही? क्या पुलिस और संबंधित अधिकारियों को इसकी जानकारी नहीं थी? यदि इस दौरान कोई बड़ा हादसा हो जाता और जान-माल का नुकसान होता, तो इसकी जिम्मेदारी आखिर कौन लेता?



कई वर्ष पूर्व पहले भी हो चुका है दर्दनाक हादसा

शिकारपुर नगर में आतिशबाजी को लेकर सुरक्षा में लापरवाही का मामला इसलिए भी गंभीर है, क्योंकि कई वर्ष पूर्व दीपावली के पर्व पर आतिशबाजी की दुकानों में भीषण आग लग गई थी। उस दर्दनाक हादसे में एक बच्चे की जान चली गई थी। कई लोग घायल हुए थे इसके बावजूद पुराने हादसे से सबक लेते हुए इस बार भी सुरक्षा व्यवस्था की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित नहीं की जा सकी। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर प्रशासन ने पुराने हादसे से क्या सबक लिया?

दीपावली जैसे संवेदनशील त्योहार पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होने चाहिए थे, लेकिन गलियों में खुलेआम आतिशबाजी की बिक्री और नाबालिग बच्चों की मौजूदगी ने शिकारपुर नगर की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। स्थानीय लोगों के बीच भी इस मामले को लेकर चर्चा रही। अब देखना यह है कि निर्धारित स्थान के बाहर आतिशबाजी बेचने वालों और नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ प्रशासन क्या कार्रवाई करता है।

पालिका दफ्तर के बगल में धड़ल्ले से जलाया जा रहा कबाड़, जहरीले धुएं से सांसों पर संकट

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर (बुलंदशहर)। चिराग तले अंधेरा वाली कहावत शिकारपुर नगर में चरितार्थ होती नजर आ रही है। नगर पालिका कार्यालय के ठीक बगल में स्थित एक कबाड़ प्लांट में कथित तौर पर खुलेआम कचरा और प्लास्टिक जलाया जा रहा है। नगर पालिका प्रशासन और अधिशासी अधिकारी (ईओ) के सख्त आदेशों के बावजूद यह गतिविधि थमने का नाम नहीं ले रही है।

ताजा मामला उस समय सामने आया, जब एक खाली प्लॉट में जमा कबाड़ और कचरे के ढेर में भीषण आग लग गई। आग से उठे काले धुएं के घने गुबार ने आसपास के इलाके को अपनी चपेट में ले लिया। आसमान में फैलते जहरीले धुएं के कारण स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि प्लास्टिक और अन्य कबाड़ जलने से उठने वाला धुआं उनके स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन रहा है। लोगों को सांस लेने में दिक्कत और आंखों में तेज जलन जैसी समस्याएं झेलनी पड़ रही हैं।



हैरानी की बात यह है कि नगर पालिका कार्यालय के इतने करीब यह सब होने के बावजूद इस पर प्रभावी रोक नहीं लग पा रही है। अब सवाल उठ रहा है कि जब पालिका दफ्तर के बगल में ही नियमों की अनदेखी हो रही है तो नगर के अन्य इलाकों में प्रदूषण फैलाने वालों पर अंकुश कैसे लगेगा? स्थानीय लोगों ने नगर पालिका प्रशासन से मामले की जांच कराकर कबाड़ जलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और इस गतिविधि पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है।

हजारों सोगवारों की मौजूदगी में पूर्व प्रधानाचार्य अबू बकर को किया गया सुपुर्दे खाक

वेलकम इंडिया ब्यूरो

सेमरियावा। नेशनल इंटर कॉलेज मूड़ाडिहा बेग के पूर्व प्रधानाचार्य अबू बकर का निधन हो गया है। निधन पर शिक्षा जगत में मातम छा गया। हजारों सोगवारों की मौजूदगी में उन्हें सुपुर्दे खाक कर दिया गया। इस दौरान काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।



शिक्षा जगत में गम की लहर

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश मंत्री व ए एच. एग्री. इंटर कॉलेज उजियार दुधारा के प्रधानाचार्य संजय द्विवेदी, मोहम्मद इश्तियाक अंसारी, फसीहुद्दीन, मुहम्मद यूनुस, मुहम्मद शाहिद, अब्दुस्सलाम, ओबैदुल्लाह, जुबेर अहमद, मुहम्मद परवेज अख्तर, ओजैर अहमद, हकीमुल्लाह, नेशनल इंटर कालेज मूड़ाडिहा बेग के प्रधानाचार्य मुजीबुल्लाह, एआरसी डिग्री कॉलेज मूड़ाडिहा बेग के प्रबंधक शमशेर अहमद, बदरे आलम, किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष अरशद जलाल कुरैशी, फैयाज अहमद, मंशाउल हक, निसार अहमद, सेराज अहमद, मोहम्मद रईस, फैजान अहमद, तौकीक अहमद, मौलाना शोएब अहमद नदवी, एजाज मुनीर, मौलाना सैयद मोहम्मद निजाम अशरफ आदि ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त किये हैं।

राजनीतिक हस्तियों ने भी जताया शोक

जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रवीण चन्द्र पाण्डेय, हाजी मोहम्मद नजीर, अहमद जमाल अंसारी एडवोकेट, महमूद खान, शिक्षक कांग्रेस के जिलाध्यक्ष अरशद जलाल कुरैशी, सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष गौहर अली खान, मोहम्मद अहमद, आदि ने भी मास्टर अबू बकर के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त किये हैं।

आईएएस अधिकारी और वरिष्ठ शिक्षाविदों का कौशल किशोर के आवास पर अचानक आगमन



वेलकम इंडिया ब्यूरो

बुलंदशहर। शिक्षक कौशल किशोर के आवास पर सोमवार को वरिष्ठ शिक्षाविद् प्रोफेसर एवं डॉ. ओपी सिंह (एनआरसी डिग्री कॉलेज, खुर्जा), आईएएस अधिकारी तुषार सिंह (असिस्टेंट कलेक्टर, कोयंबटूर, तमिलनाडु) तथा डॉ. पुष्पेंद्र कुमार निम (करोड़ीमल डिग्री कॉलेज, दिल्ली) अचानक पहुंचे।

इस दौरान सभी अतिथियों के बीच शिक्षा, समाज और अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। अतिथियों के अचानक आगमन से कौशल किशोर बेहद प्रसन्न नजर आए। उन्होंने सभी अतिथियों का हृदय से स्वागत करते हुए उनके आगमन पर आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया।

दीपावली के पावन अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने बाल आश्रम पहुंचकर बच्चों के साथ मनाई खुशियों की दीपावली

वेलकम इंडिया ब्यूरो

संतकबीरनगर। दीपावली के पावन पर्व के अवसर पर पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने बाल आश्रम, बगहिया (इंडस्ट्रियल एरिया) पहुंचकर वहां रह रहे बच्चों के साथ दीपावली का त्योहार हर्षोल्लास एवं आत्मीयता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने बच्चों को मिठाइयां, पटाखे एवं विभिन्न उपहार भेंट किए तथा उनके साथ समय व्यतीत कर दीपावली की खुशियां साझा कीं। बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाने और उनके साथ त्योहार की खुशियां बांटने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक ने बच्चों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं सुखमय जीवन की कामना की।



महोदय ने बच्चों से आत्मीय संवाद स्थापित करते हुए उन्हें अपनत्व एवं स्नेह का एहसास कराया। इस दौरान बच्चों में विशेष उत्साह एवं उल्लास देखने को मिला। पुलिस अधीक्षक महोदय ने कहा कि त्योहार केवल उत्सव मनाने का अवसर ही नहीं, बल्कि जरूरतमंद एवं वंचित लोगों के साथ खुशियां साझा करने और उनके जीवन में प्रसन्नता लाने का भी अवसर है। इस अवसर पर प्रभारी यातायात परमहंस एवं पुलिस अधीक्षक पीआरओ पीके गुप्ता सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

दीपावली पर खेत में मजदूरी करने गई महिला की दर्दनाक मौत, परिवार में मचा कोहराम

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर (बुलंदशहर)। दीपावली पर्व पर खेत में मजदूरी करने गई एक महिला की धान बरसाने वाली मशीन की कपलिंग की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया, वहीं गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

जानकारी के अनुसार, शिकारपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव मुस्तफाबाद डडुआ निवासी रीना (32) पत्नी वीरेंद्र गांव के ही गुड्डू फौजी पुत्र बलवीर के खेत पर रविवार को मजदूरी करने गई थी। खेत में काम करते समय अचानक वह धान बरसाने वाली मशीन की कपलिंग में फंस गई। मशीन की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।



हादसे के बाद खेत में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। महिला की अचानक हुई मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

दीपावली पर घर लौट रहे बाइक सवार भाइयों को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, एक की मौत

छोटा भाई गंभीर रूप से घायल, दिल्ली से गांव लौटते समय मुमरेजपुर के पास हुआ दर्दनाक हादसा; त्योहार की खुशियां मातम में बदलीं

वेलकम इंडिया ब्यूरो

अहमदगढ़ (बुलंदशहर)। थाना अहमदगढ़ क्षेत्र के गांव मुमरेजपुर स्थित केपी कांता ग्रामोदय इंटर कॉलेज के सामने रविवार को दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। अज्ञात तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका छोटा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद दीपावली की खुशियां मातम में बदल गईं।

जानकारी के अनुसार, जिला बदायूं के थाना बिल्सी क्षेत्र के गांव बेरमे बुजुर्ग निवासी राजीव (32) पुत्र श्याम बाबू अपने छोटे भाई सुमित के साथ दिल्ली से बाइक पर सवार होकर दीपावली का त्योहार मनाने अपने गांव लौट रहे थे। जैसे ही दोनों भाई अहमदगढ़ थाना क्षेत्र के गांव मुमरेजपुर स्थित केपी कांता ग्रामोदय इंटर कॉलेज के समीप पहुंचे, तभी सामने से आए एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।







हादसे में राजीव की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसका छोटा भाई सुमित गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही थाना अहमदगढ़ प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने तत्काल यातायात व्यवस्था संभालते हुए सड़क पर लगे जाम को खुलवाया।

प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। हादसे की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। दीपावली पर घर लौट रहे परिवार के लिए यह हादसा खुशियों की जगह जिंदगी भर का गम छोड़ गया।

सेहत/स्वास्थ्य

बदलते मौसम की खांसी-बलगम से परेशान, ये देसी नुस्खे देंगे फौरन आराम



अगर बदलते मौसम में सीने में बलगम जम रहा है और खांस–खांसकर गला छिल गया है। वहीं लाख उपाय करने के बाद भी आपकी परेशानी कम नहीं हो रही है, तो आपको इस समस्या से निजात पाने के लिए रसोई का रुख करना चाहिए।



मौसम बदलने की शुरूआत होने के साथ ही हल्की सर्दी ने दस्तक दे दी है। कुछ ही सप्ताहों में मौसम पूरी तरह से करवट ले लेगा। बदलते मौसम में अपनी सेहत का ध्यान रखना किसी चुनौती से कम नहीं है। क्योंकि इस समय पर शरीर को कई बीमारियां और इंफेक्शन जकड़ लेती हैं। खासतौर पर इस समय सर्दी-खांसी और जुकाम लोगों को काफी परेशान करता है। वहीं जिन लोगों की इम्यूनिटी कमजोर होती है, उनको यह दिक्कत जल्दी घेर लेती हैं।

सीने में बलगम जमा होने की वजह से न सिर्फ गले और छाती में दर्द होता है, बल्कि खांसी आती है और सांस लेना भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में अगर बदलते मौसम में सीने में बलगम जम रहा है और खांस-खांसकर गला छिल गया है। वहीं लाख उपाय करने के बाद भी आपकी परेशानी कम नहीं हो रही है, तो आपको इस समस्या से निजात पाने के लिए रसोई का रुख करना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ देसी नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको अपनाकर आप फौरन आराम पा सकते हैं।

आजमाएं ये देसी नुस्खा

इसके लिए 1 चम्मच शहद, 1 चम्मच अदरक का जूस, 1 चुटकी हल्दी और एक चौथाई चम्मच काली मिर्च पाउडर मिक्स कर लें। इसको मिक्स करने के बाद खा लें। एक्सपर्ट के मुताबिक यह आपको सोने से पहले खाना है। ऐसा करने से आपको कुछ ही देर में आराम मिल जाएगा और आप चैन की नींद सो सकेंगे। बता दें कि काली मिर्च बलगम को पतला करने में सहायता करती है। इसके सेवन से कफ आसानी से बाहर निकल जाता है। काली मिर्च में एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटी ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं। जिस कारण यह इंफ्लेमेशन को कम करती है और श्वसन मार्ग को साफ करने में सहायता करती है। सर्दी-खांसी और गले की खराश दूर करने में अदरक सहायक होती है। इसमें एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं, जोकि जुकाम में बेहद फायदेमंद होती है।

शहद में मौजूद गुणों की वजह से यह खांसी को दूर करने में कारगर होता है। यह गले की सूजन को कम करता है। यह देसी नुस्खा आपके लिए फायदेमंद हो सकता है।

ब्यूटी / फैशन

एंटी-एजिंग से लेकर मुंहासों तक का इलाज! सहजन की पत्तियों में छुपा है खूबसूरत त्वचा का राज

खराब लाइफस्टाइल और गलत खान-पान के कारण स्किन प्रॉब्लम की समस्या बढ़ जाती है। चेहरे से पिंपल्स और झुर्रियां गायब करने के लिए लोग महंगे-महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन फिर भी अच्छा रिजल्ट नहीं मिलता है। अगर आप चेहरे से पिंपल्स और रिंकल्स को हटाना चाहते हैं, तो सहजन की पत्तियों का फेस पैक लगा सकते हैं। ज्यादातर लोगों ने सहजन की सब्जी खाई होगी, यह सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

स्किन पर सहजन की पत्तियों का इस्तेमाल करने से पिंपल्स कम हो जाते हैं और चेहरे से झुर्रियां गायब हो जाती हैं। इसका फेस पैक त्वचा के लिए बेहद ही फायदेमंद होता है। यह आपके कील-मुंहासों से लेकर कालेपन तक को ये दूर करने में मदद करेगा। मोरिंगा की पत्तियां स्किन प्रॉब्लम को दूर करता है।

सहजन की पत्तियों में विटामिन ए, सी और बी कॉम्प्लेक्स होते हैं। इसके साथ ही इसमें आयरन, कैल्शियम, पोटैशियम, प्रोटीन और मैग्नीशियम भी होता है। आइए आपको बताते हैं इसे सही से कैसे लगाएं।



सहजन की पत्तियां त्वचा के लिए एक प्राकृतिक वरदान हैं, जो पिंपल्स और झुर्रियों जैसी समस्याओं से प्रभावी ढंग से निजात दिलाती हैं। इसमें मौजूद विटामिन और एंटी–बैक्टीरियल गुण स्किन को टाइट, हाइड्रेट और चमकदार बनाते हैं, जिससे महंगे उत्पादों की बजाय प्राकृतिक रूप से बेदाग त्वचा पाई जा सकती है। यह मोरिंगा फेस पैक डार्क सर्कल्स को भी दूर कर रंगत सुधारने में सहायक है।



रंगत सुधारने में मदद करता

मोरिंगा की पत्तियों को चेहरे पर इस्तेमाल करने से चेहरे की रंगत सुधारने में मदद करता है। इसके यूज से स्किन पोर्स खुलते हैं और चेहरे पर चमक आती है।

पिंपल्स से छुटकारा मिलता है

अगर आप पिंपल्स की समस्या से परेशान हैं, तो सहजन की पत्तियों के इस्तेमाल से चेहरे पर चमक आएगी और कील-मुंहासे दूर हो जाएंगे। क्योंकि इसमें एंटी-बैक्टीरियल और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो पिंपल्स होने से रोकते हैं।

स्किन टाइट होती है

मोरिंग लीव्स चेहरे से झुर्रियां दूर करता है और स्किन में कसावट लेकर आती है। आपकी लूज त्वचा को कसावट लाने में सहायक करता है।

स्किन हाइड्रेटेड करता है

सहजन पत्तियों के इस्तेमाल करने से आपकी स्किन को पोषण मिलता है। फेस पैक इस्तेमाल करने से चेहरा ग्लोइंग बनेंगी। यह आपकी स्किन को खिली-खिली बनाता है और ड्राईनेस को दूर करता है।

काले घेरे को दूर करता

अगर आप आंखों के किनारे पड़े हुए काले घेरों से परेशान है, तो सहजन की पत्तियों से छुटकारा मिल जाएगा। यह आई पैक आपके डार्क सर्कल्स को दूर करेगा।

कैसे बनाएं सहजन की पत्तियों का फेस पैक

सबसे पहले आप सहजन की पत्तियों को पीसकर लेप की तरह पैक बनाएं। इसके लिए शहद, नींबू का रस और गुलाब जल या कच्चा दूध मिलाकर पैक तैयार करें। चेहरे पर 20-30 मिनट तक इस पैक को लगाएं और इसे छोड़ दें। इसके बाद आप पानी से मुंह धो लें।

पर्यटन

नोएडा के इस बाजार में लूट लो सर्दी के शानदार कपड़े! कम बजट में पाएं लेटेस्ट विंटर कलेक्शन



नोएडा का ब्रह्मपुत्र मार्केट (बीपी मार्केट) सर्दी के कपड़ों की शानदार खरीदारी के लिए एक बेहतरीन जगह है। यहां आपको कम बजट में महिलाओं, पुरुषों और बच्चों के लिए जैकेट, स्वेटर, शॉल सहित लेटेस्ट और ट्रेंडी विंटर कलेक्शन मिलेगा। यह बाजार ऊनी कपड़ों की सस्ती और अच्छी वैरायटी के लिए खास तौर पर जाना जाता है।

गुलाबी ठंड का मौसम तो आ गया है। कुछ ही दिनों सर्दियां भी दस्तक देने वाली है। हल्की ठंड आने के बाद से ज्यादातर महिलाओं का मन नए वूलन कपड़ों की शॉपिंग करने का करता है। अगर आप भी विंटर वियर देख रही हैं, तो यह लेख आपके लिए है। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि नोएडा के एक ऐसे सस्ते बाजार के बारे में बताएंगे, जहां पर आप कम कीमत में ट्रेंडी विंटर कलेक्शन खरीद सकते हैं। सर्दी के मौसम में महिलाएं अपने लिए खास तरह के वुलेन आउटफिट की शॉपिंग के लिए जरुर जाती है। अगर आप नोएडा में रहने वाले या फिर नोएडा के पास रहते हैं, तो आप इस फेमस ब्रह्मपुत्र मार्केट एक्सप्लोर कर सकते हैं। वूलन वियर के लिए यह बाजार काफी प्रसिद्ध है। इस बाजार को 'बीपी मार्केट' भी कहा जाता है।

एक से एक विंटप वियर कलेक्शन

इस मार्केट में आपको फैशनेबल जैकेट, स्वेटर, कोट, शॉल, मफलर और कैप की एक विशाल रेंज देखने को मिल जाएगी। इतना ही नहीं, इस मार्केट में आपको पारंपरिक हिमाचली गर्म कपड़े भी किफायती दामों पर मिल सकते हैं। इस बाजार में आपको कपड़ों की सस्ती और अच्छी वैरायटी वाले वूलन क्लॉथ मिल जाएंगे। नोएडा के इस बाजार में आप मोल-भाव करके कपड़ो को खरीद सकते हैं।

बूलेन कपड़ों के अलाव खरीदें ये सामान

इस बाजार में पुरुषों और बच्चों के भी ठंड के कपड़े मिलते हैं। इसके अलावा, इस मार्केट में किताबें, जूते, ज्वेलरी और घर के सजावटी सामानों की भी कई छोटी दुकानें मिल जाएगी। इसके साथ ही इस बाजार में स्ट्रीट फूड भी नोएडा के काफी फेमस है।

कैसे पहुंचे ब्रह्मपुत्र मार्केट

ब्रह्मपुत्र मार्केट पहुंचने के लिए आप दिल्ली, गुड़गांव या नोएडा के किसी भी निकटतम मेट्रो स्टेशन से बोटैनिकल गार्डन मेट्रो स्टेशन या गोल्फ कोर्स मेट्रो स्टेशन या नोएडा सेक्टर 18 मेट्रो स्टेशन तक आ सकती हैं। इसके बाद आप यहां से शेयरिंग ई-रिक्शा की मदद से मार्केट पहुंच जाएं।



घरेलू नुस्खे



बासी पोहा हो गया सख्त तो अपनाइए ये आसान नुस्खा, मिलेगा वही पुराने जैसा स्वाद

यह एक आसान तरीका है बासी पोहा को फिर से फ्रेश करने का। इसके लिए सबसे पहले पोहे को एक कटोरे या कड़ाही में डालिए और उस पर 2–3 चम्मच पानी हल्के से छिड़किए। अब इसे ढककर 2–3 मिनट के लिए रख दीजिए। दरअसल, पोहा इसलिए सूख जाता है क्योंकि उसमें से नमी निकल जाती है।

नाश्ते में पोहा खाना आखिरकार किसे अच्छा नहीं लगता। सुबह अक्सर चाय के साथ पोहा खाने में एक अलग ही मजा आता है। लेकिन पोहा केवल तभी अच्छा लगता है, जब उसे बनाकर गरमा-गरम सर्व किया जाए। अगर उसे बाद में खाया जाता है तो वह थोड़ा सख्त और सूखा-सूखा महसूस होता है।

इतना ही नहीं, उसका वो टेक्सचर भी गायब हो जाता है, जिसकी वजह से उसे खाने का मन ही नहीं करता है। हालांकि, अगर आप ऐसे में उसे फेंकने की सोच रहे हैं तो जरा ठहरिए। अगर आप चाहें तो थोड़ा सा जादू करने पर बासी पोहा को फिर से नरम, टेस्टी और फ्रेश बना सकते हैं।



वास्तव में, पोहा उन आसान डिशेज में से है, जिसे अगर सही ट्रिक से दोबारा गरम किया जाए तो उसका स्वाद और टेक्सचर दोनों ही पहले जैसा हो जाता है। तब आपको उसे खाते समय ऐसा महसूस होता है, जैसा कि इसे अभी-अभी गरमागरम बनाया गया हो। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही आसान टिप्स के बारे में बताने वाले हैं, जो आपके बासी पोहे को फिर से टेस्टी बनाने में मदद करेंगे-

थोड़ा पानी छिड़कें

यह एक आसान तरीका है बासी पोहा को फिर से फ्रेश करने का। इसके लिए सबसे पहले पोहे को एक कटोरे या कड़ाही में डालिए और उस पर 2-3 चम्मच पानी हल्के से छिड़किए। अब इसे ढककर 2-3 मिनट के लिए रख दीजिए। दरअसल, पोहा इसलिए सूख जाता है क्योंकि उसमें से नमी निकल जाती है। थोड़ा पानी और भाप उसे चिपचिपा किए बिना दोबारा नरम बना देते हैं।

थोड़ा तेल या घी डालकर दोबारा गरम करें

एक पैन में 1 चम्मच तेल या घी गरम करें। चाहें तो उसमें थोड़े राई के दाने, करी पत्ता या एक चुटकी हल्दी डालें। अब उसमें बासी पोहा डालकर 1-2 मिनट तक चलाइए। जब आप पोहे को हल्का सा भूनते हैं तो इससे पोहे की खुशबू और स्वाद दोनों ताजा हो जाते हैं। तेल हर दाने को कोट कर देता है जिससे पोहा दोबारा चिपकता नहीं है।

आजमाएं माइक्रोवेव ट्रिक

अगर आपके पास समय कम हो तो माइक्रोवेव की इस ट्रिक को भी आजमाया जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले पोहे पर थोड़ा पानी छिड़कें, फिर उस पर गीला टिशू पेपर या माइक्रोवेव ढक्कन रखकर 30-40 सेकंड के लिए गरम करें।

गीला टिशू भाप को अंदर रोकता है, जिससे पोहा बराबर गरम होता है और सूखता नहीं है।

राज्य कर विभाग द्वारा ईट भट्टा व्यापारियों के साथ संवाद कार्यक्रम का आयोजन

अनिल वशिष्ठ



मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। राज्य कर विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित भट्टा व्यापारियो के साथ संवाद कार्यक्रम के अन्तर्गत अपर आयुक्त ग्रेड-1, राज्य कर गाजियाबाद, सम्भाग-ए, गाजियाबाद एवं संयुक्त आयुक्त (कार्य0), राज्य कर, सम्भाग-ए, गाजियाबाद द्वारा प्रेषित निदेशों के क्रम मे, गाजियाबाद जोन प्रथम के क्षेत्राधिकार मे आने वाले मण्डल कार्यालय राज्य कर मोदीनगर मे तैनात अधिकारियो द्वारा मोदीनगर अधिक्षेत्र मे पंजीकृत विभिन्न भट्टा व्यापारियो के साथ कार्यालय उपायुक्त राज्य कर, मण्डल कार्यालय, मोदीनगर मे प्रातः 11 बजे से भट्टा व्यापारी संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम मे मोदीनगर के विभिन्न भट्टा व्यापारियो द्वारा प्रतिभाग किया गया। भट्टा व्यापारियो द्वारा अधिकारियो के समक्ष विभिन्न प्रकार की समस्याओ पर चर्चा की गयी, जिसमे विभाग के अधिकारियो द्वारा समस्याओ का त्वरित निस्तारण कराया गया एवं नए मुद्दो को उच्चाधिकारियो को प्रेषित करने का आश्वासन दिया गया। चर्चित मुद्दो मे मुख्यतः वर्तमान मे प्रचलित ब्याज माफी योजना 2026 के सम्बन्ध मे विस्तृत चर्चा, समय से मासिक, त्रैमासिक एवं समाधान रिटर्न दाखिल करना, गत वर्ष की तुलना मे कम कर देने वाले भट्टो को संगत वित्तीय वर्ष के शेष माहो मे गत वर्ष की तुलना मे अधिक कर देना एवं भट्टा व्यापारियो की अन्य समस्याओ पर चर्चा की गई।

इस अवसर पर उपायुक्त श्री अनिल कुमार, राज्य कर मोदीनगर द्वारा कविन्द्र चौधरी, तहसील अध्यक्ष, जिला ईट निमार्ता समिति गाजियाबाद को गत वर्ष से इस वर्ष मे कम कर देने वाले, समय से रिटर्न दाखिल ना करने वाले तथा वैट से सम्बंधित बकाया के भट्टा व्यापारियो की सूची प्राप्त कराते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए, जिसके क्रम मे कविन्द्र चौधरी द्वारा उक्त दिशा निदेशों से भट्टा व्यापारियो को अवगत कराते हुए शत प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराए जाने का आश्वासन दिया गया।

संवाद कार्यक्रम मे मुख्य रूप से श्री अनिल कुमार, उपायुक्त, राज्य कर मोदीनगर, श्री आशीष मिश्रा, सहायक आयुक्त, राज्य कर मोदीनगर, नितिन शर्मा, कविन्द्र चौधरी, शादाब अलि, लोकेश शर्मा, अजय पाल चौधरी, अजय सिंघल, ओमवीर एवं विपिन कुमार सहित दर्जनो भट्टा व्यापारी उपस्थित रहे।

वरिष्ठ नागरिक संस्था ने दीपावली मिलन समारोह का किया आयोजन



वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। वरिष्ठ नागरिक संस्था की तरफ से जिला परिषद मार्केट स्थित सेठ आनंद स्वरूप पुस्तकालय में दीवाली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें वरिष्ठ नागरिकों ने आपसी तालमेल और भाईचारे का संदेश दिया। अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष रकम सिंह ने की। संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस दौरान मिठाई खिलाकर एक-दूसरे को दिवाली की शुभकामनाएं दी गईं। वरिष्ठ नागरिकों ने अपने अनुभवों का साझा किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस मौके पर अध्यक्ष रकम सिंह, संरक्षक हाजी साबुद्दीन, रामेश्वर दयाल गुप्ता, वीरेंद्र गुप्ता, सतीश गुप्ता, सिद्दीकी, अशोक सिरोही, प्रमोद गुप्ता, अरुण जैन, प्रदीप माहेश्वरी, राजेंद्र प्रसाद, विनेश कुमार, दरियाव सिंह, रतन सिंह पूनिया, अशोक कंसल, विक्रम यादव, ब्रजकिशोर गुप्ता आदि रहे।

धन्वन्तरि की पावन जयन्ती के उपलक्ष्य में स्वास्थ्य दिवस समारोह मनाया गया



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। दुर्गा आयुर्वेद भवन पर स्वास्थ्य दिवस समारोह मनाया गया। इस मौके पर भगवान धन्वन्तरि की पूजा अर्चना की गई और प्रसाद का वितरण किया गया।

इस मौके पर नगर के वरिष्ठ वैद्यों का सम्मान किया गया। अपर बाजार स्थित दुर्गा आयुर्वेद भवन पर विगत वर्षों की भांति आयुर्वेद प्रवर्तक भगवान धन्वन्तरि की पावन जयन्ती के उपलक्ष्य में वैघनाथ स्वास्थ्य दिवस समारोह का आयोजन किया गया। दुर्गा आयेर्वेद के प्रबंधक सतीश कुमार माहेश्वरी परिवार ने भगवान धन्वन्तरि का पूजा अर्चना कराई। पूजा कराते हुए पंड़ित ने कहा कि हमें अपने स्वास्थ्य की रक्षा के लिए भगवान धन्वन्तरि की पूजा करनी चाहिए। हमारे जीवन में आयुर्वेद का महत्व है। हमें आयुर्वेद को अपना चाहिए। पूजा अर्चना में विभिन्न आयुवेद कम्पनियों के प्रतिनिधि कमल किशोर पंकज यशपाल अनीष चौहान आसिफ अंसारी तेजवीर शामिल हुए। इस अवसर पर वरिष्ठ वैद्यों को सम्मानित किया गया। पूजा अर्चना के बाद प्रसाद का वितरण किया गया। इस मौके पर गौरव माहेश्वरी सतीश महेश्वरी अशोक महेश्वरी, रजत महेश्वरी डॉ अर्जन, बीपी सिंह नीरज डॉक्टर राजेश शर्मा, डॉक्टर संख्यान डॉ नवल, अनिल अग्रवाल, नरेश शर्मा वैद्य आदि उपस्थित थे।

चार पंप लगाने की मांग महीनों से अनसुनी, वैशाली सेक्टर-1 में पानी के लिए तरस रहे लोग

स्थानीय लोगों ने नगर आयुक्त से की शिकायत, लापरवाह अधिकारी को हटाने की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता



गाजियाबाद। नगर निगम के अधिकारियों की कथित लापरवाही का खामियाजा शहर के लोगों को किस तरह भुगतना पड़ रहा है, इसका उदाहरण वैशाली सेक्टर-1 के वार्ड-72 में देखने को मिल रहा है। यहां रहने वाले लोग पिछले काफी समय से पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। हालात यह हैं कि क्षेत्र में सुबह के समय महज 20 मिनट पानी की आपूर्ति हो रही है। वह भी पूरे क्षेत्र के सभी घरों तक नहीं पहुंच पा रही है। ऐसे में बड़ी संख्या में परिवारों को पीने और रोजमर्रा की जरूरतों के लिए पानी के टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद नगर निगम के अधिकारियों ने समस्या का स्थायी समाधान करने में कोई गंभीरता नहीं दिखाई है। स्थानीय निवासियों के मुताबिक, क्षेत्र में पर्याप्त जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कम से कम चार 10 एचपी क्षमता के पंप लगाने की आवश्यकता है। इस संबंध में नगर निगम के जूनियर इंजीनियर सोमेंद्र तोमर को कई बार समस्या से अवगत कराया जा चुका है। लोगों का कहना है कि हर बार उनसे पंप लगाने के संबंध में बात की गई तो उन्होंने जल्द काम होने का आश्वासन दिया, लेकिन अब तक धरातल पर कोई काम शुरू नहीं हुआ। लगातार आश्वासन मिलने के कारण लोग इंतजार करते रहे, लेकिन पानी की समस्या जस की तस बनी हुई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में पानी की किल्लत कोई नई समस्या नहीं है। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारी मौके पर पहुंचकर वास्तविक स्थिति का जायजा लेने और समस्या का समाधान कराने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। लोगों ने कई बार जूनियर इंजीनियर से क्षेत्र की जरूरत के अनुसार चार नए पंप लगवाने की मांग की, लेकिन हर बार उन्हें जल्द काम कराने की बात कहकर टाल दिया गया। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते पंप लगाने की व्यवस्था कर दी जाती तो आज क्षेत्रवासियों को पानी के लिए इस तरह परेशान नहीं होना पड़ता। स्थानीय निवासियों के अनुसार, जब दशहरा नजदीक आ गया और उन्होंने एक बार फिर पानी की समस्या को लेकर जूनियर इंजीनियर से संपर्क किया तो उन्होंने महापौर और नगर आयुक्त से बात करने की सलाह दे दी। इससे लोगों में नाराजगी है। उनका सवाल है कि जब क्षेत्र की जलापूर्ति और पंप लगाने की जिम्मेदारी नगर निगम के संबंधित अधिकारियों की है तो फिर बार-बार शिकायत करने के बावजूद उन्हें उच्च अधिकारियों के पास क्यों भेजा जा रहा है। लोगों का कहना है कि त्योहारों के दौरान पानी की खपत बढ़ जाती है। ऐसे में पहले से ही सीमित जलापूर्ति होने के कारण लोगों की परेशानी और बढ़ने की आशंका है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि सुबह केवल 20 मिनट पानी आने और वह भी सभी घरों तक नहीं पहुंचने के कारण लोगों को मजबूरी में टैंकरों से पानी मंगवाना पड़ रहा है। इससे परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ भी पड़ रहा है। लोगों ने नगर आयुक्त से मांग की है कि वार्ड-72 के सेक्टर-1 में पेयजल संकट का तत्काल समाधान कराया जाए और चार 10 एचपी पंप लगाने की मांग पर जल्द निर्णय लिया जाए। इसके साथ ही स्थानीय लोगों ने जूनियर इंजीनियर सोमेंद्र तोमर की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए उन्हें क्षेत्र से हटाने की मांग की है।

उनका आरोप है कि संबंधित अधिकारी न तो मौके पर पहुंचकर समस्या का निरीक्षण करते हैं और न ही शिकायतों का प्रभावी निस्तारण कराते हैं। लोगों ने नगर आयुक्त से ऐसे अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने और क्षेत्र में नियमित एवं पर्याप्त जलापूर्ति सुनिश्चित कराने की अपील की है। उनका कहना है कि केवल आश्वासन से समस्या हल नहीं होगी, इसके लिए धरातल पर काम कराना जरूरी है।

पूर्व राज्य मंत्री सुनील भराला ने क्षेत्र व्यापारियों से मुलाकात की



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश में चुनावी बिगुल बज चुका है और मंत्रियों की बैठकों का दौर शुरू हो चुका है।

इसी क्रम में आज पूर्व राज्य मंत्री (दर्जा प्राप्त) सुनील भराला ने गाजियाबाद दौरा किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र व्यापारियों से मुलाकात की तथा सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (व्यापार प्रकोष्ठ) सतीश अग्रवाल के कार्यालय पहुंचकर व्यापारियों से मीटिंग की। चर्चा में व्यापारियों ने त्योहारों के चलते खाद्य सुरक्षा विभाग अधिकारीयों द्वारा उत्पीड़न का अपना दर्द बयां किया जिस पर मंत्री सुनील भराला ने सभी व्यापारियों को आश्वासन दिया और अधिकारीयों को चेताया कि अगर व्यापारियों को उत्पीड़न बंद नहीं हुआ तो वह इसके खिलाफ जमकर आवाज उठाएंगे और ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कठोर दंडातमक कार्रवाई की जाएगी जो व्यापारियों के उत्पीड़न में संलिप्त पाए जाएंगे।

गिन्नी देवी कॉलेज में निबंध और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया



वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश के आदेशानुसार गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स पी० जी० कॉलेज में निबंध और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा करवाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर पूनम शर्मा द्वारा की गयी। निबन्ध प्रतियोगिता के विषय 1. मतदान का महत्व, 2.शुद्ध मतदाता सूची का महत्व रहा। जिसमें प्रथम स्थान (MA ist year)की कनिका शर्मा, द्वितीय स्थान चंचल शर्मा (MA2nd year)। प्रतियोगिता में निर्णायक मण्डल रही डॉ नम्रता शर्मा और डॉ शिखा त्यागी तथा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान आतिका (BA ist year)और द्वितीय स्थान छवि (BA 3rd year)। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का निर्णयन डॉ सारिका त्यागी और रितु शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से समस्त प्रतिभागियों को निर्वाचन प्रक्रिया, मतदाता सूची पुनरीक्षण (SIR), मतदाता अधिकारों, निर्वाचन आयोग की भूमिका तथा एस्ट एवं श्श्ढअळ से संबंधित जानकारी के प्रचार-प्रसार एवं जागरूकता बढ़ाई गई। कार्यक्रम में डॉ चेतना, डॉ मीनू अग्रवाल, डॉ राखी मित्तल, अंकिता त्यागी, खुश्बू त्यागी, गार्गी गुप्ता सहित छात्राओं का योगदान सराहनीय रहा।

युवती पर जानलेवा हमले के मामले में व्यापारी प्रतिनिधि मंडल मिला कोतवाली प्रभारी निरीक्षक से

आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की

वेलकम इंडिया संवाददाता



मोदीनगर। मोदीनगर एक कॉलोनी निवासी की सुपुत्री के साथ जानलेवा हमले के मामले में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल का एक प्रतिनिधि मंडल अध्यक्ष अमित गोयल के नेतृत्व में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक आनंद मोहन मिश्रा से मिला और आरोपियों की शीघ्रता की मांग की। व्यापारी प्रतिनिधि मंडल ने आरोपियों को छोड़ने का भी आरोप लगाया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ने व्यापारियों को आश्वासन दिया कि आरोपियों के खिलाफ शीघ्र कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर व्यापारी नेता निर्दोष खटाना, व्यापारी नेता सतेंद्र गुप्ता आदि उपस्थित रहे। एक कॉलोनी निवासी व्यक्ति जिम संचालक हैं। उनकी 18 वर्षीय पुत्री मोदीनगर से बाहर रहकर पढ़ाई करती है। तीन दिन पहले वह नमो भारत रैपिड ट्रेन से मोदीनगर पहुंची थी। स्टेशन के नीचे वह अपने भाई का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान आरोपियों ने बहन-भाई के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि युवती के चेहरे पर ईंट से हमला किया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। युवती का अस्पताल में इलाज चल रही है।एसीपी मोदीनगर का कहना है कि आरोपियों की तलाश में पुलिस की टीम लगी हुई है।

जन्मेजय त्यागी ने दीपावली मिलन समारोह में पत्रकारों को किया सम्मानित

वेलकम इंडिया संवाददाता



मोदीनगर। विधानसभा मोदीनगर (57) के कस्बा निवाड़ी स्थित अपने आवास पर समाजवादी पार्टी के पूर्व जिला पंचायत सदस्य एवं मोदीनगर विधानसभा क्षेत्र से जन्मेजय त्यागी ने दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न समाचार पत्रों एवं न्यूज चैनलों से जुड़े पत्रकार बंधुओं ने सहभागिता की। इस अवसर पर जन्मेजय त्यागी ने सभी पत्रकारों का सम्मान करते हुए उन्हें पटका पहनाकर एवं शुभकामनाएं देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज का महत्वपूर्ण अंग हैं, जो अपनी लेखनी और निष्पक्ष पत्रकारिता के माध्यम से समाज की समस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का कार्य करते हैं। समारोह के दौरान सभी ने एक-दूसरे को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

रालोद की दलित समाज की बैठक में सामाजिक एकता एवं संगठन की मजबूती पर हुआ मंथन



वेलकम इंडिया संवाददाता

मेरठ। सिवालखास विधानसभा क्षेत्र के ग्राम रजापुर में राष्ट्रीय लोकदल के तत्वावधान में दलित समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक की अध्यक्षता श्री फेरु सिंह जी ने की तथा संचालन डॉ. देवेंद्र गौतम जी, प्रदेश अध्यक्ष एससी प्रकोष्ठ ने किया। बैठक में पूर्व प्रदेश महासचिव श्री रणवीर दहिया जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व प्रदेश महासचिव श्री रणवीर दहिया जी ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल हमेशा से समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने और उनके मान-सम्मान, अधिकार एवं उत्थान के लिए प्रतिबद्ध रहा है। उन्होंने कहा कि दलित समाज की भागीदारी संगठन को और अधिक मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने सभी से राष्ट्रीय लोकदल की विचारधारा और नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

251 दीप जलाकर शहीदों को किया नमन, दीपावली पर याद किया जवानों का बलिदान

वेलकम इंडिया संवाददाता



हल्द्वानी। दीपावली का त्योहार जहां लोग अपने घरों को दीपों से रोशन कर खुशियां मनाते हैं, वहीं एक समाज श्रेष्ठ समाज संस्था ने इस पर्व की संध्या को देश के वीर शहीद जवानों के नाम समर्पित किया। संस्था की ओर से भारतीय सेना के शहीद जवानों के सम्मान में 'एक दीया शहीदों के नाम' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान हल्द्वानी की नैनीताल रोड स्थित शहीद चंद्रशेखर मिश्रा पार्क में 251 दीप प्रज्वलित कर देश के वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। दीपों की रोशनी के बीच शहीद जवानों के बलिदान को याद करते हुए संस्था पदाधिकारियों और सदस्यों ने उनके प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। एक समाज श्रेष्ठ समाज संस्था के अध्यक्ष योगेन्द्र कुमार साहू और सदस्य मनीष साहू के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में संस्था के पदाधिकारियों ने पूरे श्रद्धाभाव के साथ 251 दीप जलाए। कार्यक्रम का उद्देश्य दीपावली की खुशियों के बीच उन वीर जवानों को याद करना था, जिन्होंने देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। शहीद चंद्रशेखर मिश्रा पार्क में आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने दीप प्रज्वलित कर शहीदों को नमन किया। इस दौरान देशभक्ति और सम्मान का भाव देखने को मिला। संस्था सदस्यों ने कहा कि दीपावली पर शहीदों के नाम एक दीया जलाना केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि देश के रक्षकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता प्रकट करने का माध्यम है।

इस अवसर पर संस्था के मार्गदर्शक खेमराज साहू और मार्गदर्शिका मीना जोशी ने संयुक्त रूप से कहा कि भारतीय सेना के जवान अपनी जान की परवाह किए बिना देश की सीमाओं की रक्षा करते हैं। विषम परिस्थितियों और हजारों फीट की ऊंचाई पर कड़ाके की ठंड के बीच भी सैनिक दुश्मनों की हर गतिविधि पर नजर रखते हैं और देश की सुरक्षा के लिए पूरी मुस्तैदी से डटे रहते हैं। जवानों की इसी सतर्कता और बहादुरी के कारण देशवासी अपने घरों में सुरक्षित रहते हैं और सभी त्योहारों को हर्षोल्लास के साथ मना पाते हैं। उन्होंने कहा कि सैनिकों का जीवन त्याग, तपस्या, अनुशासन और देशभक्ति का उदाहरण है। सीमा पर तैनात जवान अपने परिवार से दूर रहकर देशवासियों की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हैं। कई वीर जवान मातृभूमि की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का बलिदान दे देते हैं। ऐसे शहीदों के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनका सम्मान करना और आने वाली पीढ़ियों को उनके बलिदान से परिचित कराना प्रत्येक भारतीय का परम कर्तव्य है। संस्था पदाधिकारियों ने कहा कि एक समाज श्रेष्ठ समाज संस्था दीपावली पर 'एक दीया शहीदों के नामइ कार्यक्रम के माध्यम से वीर जवानों को श्रद्धांजलि देती है। 251 दीप जलाकर शहीदों के प्रति सम्मान व्यक्त करना इसी परंपरा का हिस्सा है। संस्था का प्रयास है कि त्योहारों की खुशियों के बीच देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर जवानों का स्मरण हमेशा बना रहे और समाज में देशभक्ति की भावना मजबूत हो। कार्यक्रम में संस्था अध्यक्ष योगेन्द्र कुमार साहू, समाजसेवी हेमंत कुमार साहू, मार्गदर्शिका मीना जोशी, ललिता कपाड़ी, योगिता बनोला, सुनीता तिवारी, ममता खत्री, गिरीश चंद्र लोहानी, खेमराज साहू, मनीष साहू, कनिष्का कुमारी, नवल आर्या, संदीप यादव, सुशील राय, प्रयाग दत्त जोशी, सूरज मिस्त्री, दीपक कुमार, सूरज कुम्हार और मुकेश कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे। सभी ने दीप प्रज्वलित कर शहीद जवानों को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

बच्चों के बीच पहुंचे डीसीपी ऋजुल, उपहार बांटकर चेहरे पर बिखेरी मुस्कान

मिठाई, फल और उपहार बांटकर बढ़ाया उत्साह, बच्चों के साथ बिताया आत्मीय समय





कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। पुलिस की जिम्मेदारी केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों के प्रति संवेदनशीलता दिखाना भी पुलिस की कार्यशैली का अहम हिस्सा है। इसी सामाजिक सरोकार और मानवीय पहल का परिचय देते हुए सोमवार को पुलिस उपायुक्त ट्रांस हिंडन ऋजुल बाल संरक्षण गृह पहुंचे। यहां उन्होंने बच्चों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और उनके साथ आत्मीयता से बातचीत की। डीसीपी के इस सहज और अपनत्व भरे व्यवहार से बच्चे काफी उत्साहित नजर आए।

बच्चों के बीच पहुंचकर जाना हालचाल डीसीपी ऋजुल ने बाल संरक्षण गृह में रह रहे बच्चों से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की। उन्होंने बच्चों की दिनचर्या, पढ़ाई और उनकी गतिविधियों के बारे में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने बच्चों को यह एहसास कराया कि समाज और प्रशासन उनके साथ खड़ा है।

उन्होंने बच्चों की बातें ध्यानपूर्वक सुनीं और उनके साथ काफी समय बिताया। पुलिस अधिकारी को अपने बीच पाकर बच्चे भी उत्साहित दिखाई दिए। मुलाकात के दौरान माहौल औपचारिकता से दूर आत्मीयता और अपनत्व से भरा रहा। बच्चों से संवाद करते हुए डीसीपी ऋजुल ने उन्हें शिक्षा का महत्व समझाया।

उन्होंने कहा कि शिक्षा ही जीवन में आगे बढने और अपने सपनों को पूरा करने का मजबूत माध्यम है। बच्चों को नियमित पढ़ाई करने, अनुशासन बनाए रखने और अच्छे संस्कार अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बच्चों से कहा कि जीवन में परिस्थितियां कैसी भी हों, उन्हें हिम्मत और आत्मविश्वास के साथ आगे बढना चाहिए। मेहनत, लगन और सकारात्मक सोच के जरिए वे अपने भविष्य को बेहतर बना सकते हैं। उन्होंने बच्चों को अपने लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास करने का संदेश भी दिया। मुलाकात के दौरान डीसीपी ऋजुल ने बच्चों को मिठाइयां, फल और विभिन्न उपहार वितरित किए।

उपहार पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। बच्चों के बीच जाकर उनसे बातचीत करना और उनकी खुशियों में शामिल होना इस कार्यक्रम का खास आकर्षण रहा। डीसीपी ने बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुए उन्हें जीवन में आगे बढने और अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए प्रोत्साहित किया। डीसीपी ऋजुल की यह पहल पुलिस की जनसरोकारों से जुड़ी भूमिका को भी दशार्ती है। उनकी कार्यशैली में जहां अपराध नियंत्रण, सुरक्षा व्यवस्था और पुलिसिंग को लेकर सक्रियता दिखाई देती है, वहीं इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से सामाजिक जिम्मेदारी और मानवीय संवेदनाओं को भी महत्व दिया जा रहा है। बाल संरक्षण गृह में बच्चों के साथ बिताए गए इस समय ने उन्हें अपनत्व और प्रोत्साहन का संदेश दिया।

गाजियाबाद में प्लास्टिक की सेटरिंग से भरी फैक्ट्री में भीषण आग, सात दमकल गाड़ियों ने पाया काबू





कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। साउथ साइड जीटी रोड स्थित नोवा फॉर्म वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री में रविवार शाम भीषण आग लग गई। आग की सूचना 8 नवंबर को शाम 4:55 बजे फायर स्टेशन कोतवाली को मिली। सूचना पर अग्निशमन अधिकारी के नेतृत्व में पांच फायर टैंकर मौके पर पहुंचे। वहीं मुख्य अग्निशमन अधिकारी गाजियाबाद और वैशाली फायर स्टेशन से दो वाटर बाउजर भी घटनास्थल पर भेजे गए। फैक्ट्री में बड़ी मात्रा में प्लास्टिक की सेटरिंग रखी होने के कारण आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरे क्षेत्र में काला धुआं फैल गया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी के नेतृत्व में चार हौज लाइन बिछाकर आग बुझाने का अभियान शुरू किया गया। आग की गंभीरता को देखते हुए अन्य फायर स्टेशनों और जनपदों से भी दमकल गाड़ियां मंगाई गईं। दमकल कर्मियों ने फोम का इस्तेमाल करते हुए सूझबूझ और तत्परता से आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। इस अग्निकांड में कुल सात दमकल गाड़ियां लगाई गईं। राहत की बात रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

पटेल नगर में प्लाईवुड और गद्दों के गोदाम में लगी आग, तीन फायर टैंकरों ने पाया काबू




कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। पटेल नगर सेकेंड स्थित सुशीला मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के पीछे सोमवार शाम प्लाईवुड और गद्दों के गोदाम में आग लग गई। सूचना मिलते ही फायर स्टेशन कोतवाली से एफएसओ के नेतृत्व में तीन फायर टैंकर मौके पर पहुंचे। आग वुडेन क्राफ्ट, प्लॉट नंबर ए-41, ब्लॉक पटेल नगर सेकेंड स्थित टीनशेड गोदाम में लगी थी। दमकल कर्मियों ने एमएफई से होज पाइप फैलाकर पानी की बौछार की और गोदाम के अंदर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण बिजली का शॉर्ट सर्किट बताया गया है। गोदाम मालिक अरविंद बंसल पुत्र राजकुमार बंसल मौके पर मौजूद नहीं थे। राहत की बात रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। दमकल कर्मियों ने आसपास के मकानों को भी सुरक्षित बचा लिया।

शहर के 23 ब्लैक स्पॉट होंगे सुरक्षित, हादसों पर लगाम लगाने के लिए पीडब्ल्यूडी ने तैयार किया खाका

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। शहर की सड़कों पर लगातार होने वाले सड़क हादसों और उनमें होने वाली मौतों पर अंकुश लगाने के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने बड़ी पहल की है। जीरो फैटेलिटी डिस्ट्रिक्ट योजना के तहत जिले के 23 दुर्घटना संभावित स्थानों को सुरक्षित बनाने की तैयारी की गई है। इन स्थानों पर सड़क की खामियों को दूर करने के साथ यातायात व्यवस्था में भी सुधार किया जाएगा। इसके लिए ट्रैफिक पुलिस की ओर से चिह्नित दुर्घटना संभावित स्थानों की सूची पीडब्ल्यूडी को सौंप दी गई है। विभाग ने इन सभी स्थानों का सर्वे और सड़क सुरक्षा से जुड़े जरूरी इंतजाम करने का खाका तैयार किया है। योजना का उद्देश्य सड़क हादसों की आशंका कम करना और दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को रोकना है। शहर में कई ऐसे चौराहे, सड़क कट और व्यस्त मार्ग हैं, जहां वाहनों की अधिक आवाजाही के कारण हादसों का खतरा बना रहता है। कई स्थानों पर अनियोजित कट होने से वाहन चालक अचानक सड़क पार करते हैं या गलत दिशा से निकलने का प्रयास करते हैं। इससे आमने-सामने वाहनों के टकराने और अन्य दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। इन समस्याओं को देखते हुए



ट्रैफिक पुलिस ने ऐसे स्थानों को चिह्नित कर सुधार के लिए पीडब्ल्यूडी को सूची उपलब्ध कराई है।

योजना के तहत शहर के प्रमुख और व्यस्त यातायात वाले स्थानों को प्राथमिकता दी गई है। इनमें पटेल नगर कट, निरीक्षण भवन कट, ठाकुरद्वारा कट, नवयुग मार्केट चौराहा, पुराना बस अड्डा, कलेक्ट्रेट कट, हापुड़ चुंगी, गोविंदपुरम कट और आईएमटी कॉलेज कट शामिल हैं। इसके अलावा दूधेश्वरनाथ मंदिर कट, समतेराम रोड कट, रेलवे स्टेशन कट, चौधरी मोड़ चौराहा, गांधीनगर कट, तहसील कट, राकेश मार्ग कट और भाटिया मोड़ कट पर भी सड़क सुरक्षा के इंतजाम किए जाएंगे। वहीं लोनी, इंद्रापुरी चौकी और साहिबाबाद क्षेत्र के दुर्घटना संभावित स्थानों को भी योजना में शामिल किया गया है। इन स्थानों पर यातायात के दबाव, सड़क की स्थिति और वाहनों की आवाजाही को ध्यान में रखते हुए सुधार कार्य कराए जाएंगे। विभाग का प्रयास है कि दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों को पहचानकर उनका स्थायी समाधान किया जाए, जिससे वाहन चालकों और राहगीरों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके। पीडब्ल्यूडी की योजना के तहत सबसे पहले उन स्थानों की खामियां दूर की जाएंगी, जहां अनावश्यक सड़क कट दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं। ऐसे कटों को बंद किया जाएगा, जबकि जरूरी कटों को व्यवस्थित कर सुरक्षित बनाया जाएगा। इससे वाहनों की आवाजाही नियंत्रित होगी और अचानक सड़क पार करने या गलत दिशा में वाहन निकालने की समस्या कम होगी। इसके साथ ही सड़क पर पर्याप्त दूरी पर संकेतक बोर्ड लगाए जाएंगे, ताकि वाहन चालकों को आगे आने वाले चौराहों, मोड़ों और कटों की जानकारी पहले से मिल सके। रात के समय सड़क की दृश्यता बेहतर बनाने के लिए रिफ्लेक्टर भी लगाए जाएंगे। जरूरत के अनुसार अन्य सड़क सुरक्षा उपाय भी किए जाएंगे। खासतौर पर उन स्थानों पर अतिरिक्त सावधानी बरती जाएगी, जहां रात के समय वाहनों की आवाजाही अधिक रहती है या सड़क की बनावट के कारण चालकों को सामने की स्थिति समझने में परेशानी होती है। पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता राम राजा ने बताया कि ट्रैफिक पुलिस की ओर से चिह्नित किए गए 23 दुर्घटना संभावित स्थानों पर सड़क सुरक्षा के इंतजाम करने की योजना तैयार की गई है। कई स्थानों पर अनियोजित कट और यातायात की अव्यवस्थित स्थिति के कारण हादसों का खतरा बना रहता है। इन खामियों को दूर करने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे। अनावश्यक कट बंद करने, संकेतक बोर्ड और रिफ्लेक्टर लगाने सहित अन्य सुधार कार्य किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इन स्थानों पर सड़क सुरक्षा के इंतजाम होने से दुर्घटनाओं की आशंका कम करने में मदद मिलेगी। जीरो फैटेलिटी डिस्ट्रिक्ट योजना के तहत यह पहल सड़क हादसों में होने वाली मौतों पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

फोटो नः 6

ऑपरेशन प्रहार के तहत नंदग्राम पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 1230 नशीली टैबलेट के साथ तस्कर गिरफ्तार



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। नशीले पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना नंदग्राम पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 1230 नाजायज अल्प्राजोलम 0.5 एमजी नशीली टैबलेट और 1350 रुपये नकद बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, 8 नवंबर 2026 को ऑपरेशन प्रहार के तहत चेकिंग के दौरान सलमान पुत्र सुल्तान (31 वर्ष), निवासी डीएस-24, गली नंबर-1, नई बस्ती दीनदयालपुरी, थाना नंदग्राम को हिंडन विहार मेट्रो स्टेशन की पार्किंग के पीछे खाली मैदान से गिरफ्तार किया गया। आरोपी के खिलाफ थाना नंदग्राम में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/22उ के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपी के खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

गाजियाबाद ब्लास्ट का जिक्र कर विधायक नंदकिशोर गुर्जर को दी जान से मारने की धमकी

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। लोनी से भाजपा विधायक नंदकिशोर गुर्जर को एक बार फिर जान से मारने और बम से उड़ाने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि विधायक के पास पाकिस्तान के नंबर से धमकी भरा फोन आया। फोन करने वाले ने गाजियाबाद में हुए बम ब्लास्ट का जिक्र करते हुए उन्हें निशाना बनाने की धमकी दी। कॉल करने वाले ने कथित तौर पर कहा, 'अब नंदकिशोर गुर्जर की बारी है। तेरे घर में घुसकर तुझे मारेंगे।' धमकी भरे फोन के बाद मामले को लेकर सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ गई हैं। गौरतलब है कि विधायक को इससे पहले भी पाकिस्तान के नंबर से जान से मारने की धमकी मिल चुकी है। बार-बार मिल रही धमकियों के चलते मामले की गंभीरता बढ़ गई है।

दीपावली पर आतिशबाजी के बीच आग की 50 घटनाओं से मचा हड़कंप

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। दीपावली पर आतिशबाजी के बीच गाजियाबाद में आग लगने की घटनाओं ने दमकल विभाग की मुश्किलें बढ़ा दीं। रविवार को जिलेभर में हर दो-चार मिनट के अंतराल पर आग लगने की सूचनाएं दमकल विभाग को मिलती रहीं। रात 12 बजे तक आग लगने की कुल 50 सूचनाएं प्राप्त हुईं। इनमें आवासीय सोसायटी के फ्लैट, फैक्ट्री और दुकानों में आग लगने की घटनाएं भी शामिल रहीं। लगातार मिल रही सूचनाओं के चलते दमकल विभाग की सभी इकाइयां अलर्ट मोड पर रहीं। दमकलकर्मी एक स्थान पर आग बुझाकर लौटते, उससे पहले ही दूसरे स्थान से आग लगने की सूचना मिल जाती। कई घटनाओं में आग की तीव्रता अधिक होने के कारण अतिरिक्त दमकल गाड़ियों को भी बुलाना पड़ा। हालांकि दमकलकर्मियों की तत्परता और मुस्तैदी के चलते बड़ी घटनाओं में भी कोई जनहानि नहीं हुई। दीपावली पर आतिशबाजी और बिजली के उपकरणों के इस्तेमाल के बीच आग लगने की आशंका को देखते हुए



दमकल विभाग पहले से ही सतर्क था। इसके बावजूद रात होते-होते आग लगने की सूचनाओं का सिलसिला तेज हो गया। कई स्थानों पर लोगों ने खुद आग बुझाने का प्रयास किया तो कहीं दमकल विभाग को मोर्चा संभालना पड़ा। सबसे बड़ी चुनौती ऊंची इमारतों और औद्योगिक इकाइयों में लगी आग को नियंत्रित करने की रही। क्रॉसिंग रिपब्लिक की जीएच-7 सोसायटी के टावर नंबर सात की दसवीं मंजिल पर रविवार रात करीब आठ बजे फ्लैट नंबर 10103 में आग लग गई। फ्लैट स्वामी साकेत जैन परिवार के साथ अलवर गए हुए थे। ऐसे में फ्लैट के अंदर कोई मौजूद नहीं था। सोसायटी के लोगों ने बालकनी से आग की लपटें उठती देखीं तो तत्काल दमकल विभाग को सूचना दी। कुछ ही देर में क्रॉसिंग रिपब्लिक और कोतवाली अग्निशमन केंद्र से दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। फ्लैट के अंदर धुआं अत्यधिक भरा होने और आग की तीव्रता को देखते हुए वैशाली अग्निशमन केंद्र से हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म भी बुलाया गया। दमकलकर्मियों ने बीए सेट पहनकर फ्लैट के अंदर प्रवेश किया और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। करीब 45 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया जा सका। आग से फ्लैट में रखा घरेलू सामान जलकर क्षतिग्रस्त हो गया, लेकिन दमकलकर्मियों ने आग को आसपास के फ्लैटों तक फैलने से रोक लिया। इस घटना के दौरान दमकलकर्मियों ने मानवीय संवेदनशीलता की भी मिसाल पेश की। फ्लैट में रखे एक्वेरियम में मौजूद एक मछली को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। आग की चपेट में आने से मछली की जान बच गई। राहत की बात रही कि घटना के समय फ्लैट में कोई मौजूद नहीं था और आसपास के लोगों को भी सुरक्षित रखा गया। साउथ साइड जीटी रोड स्थित नोवा फार्म वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री में रविवार शाम करीब पांच बजे आग लग गई। फैक्ट्री में प्लास्टिक की सेटरिंग का सामान बड़ी मात्रा में रखा हुआ था। ज्वलनशील सामग्री होने के कारण आग तेजी से फैलने लगी। सूचना मिलते ही कोतवाली अग्निशमन केंद्र से पांच दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं, जबकि वैशाली से दो वाटर बाउजर भी बुलाए गए। आग की विकरालता को देखते हुए आसपास के अन्य अग्निशमन केंद्रों के साथ दूसरे जिलों से भी दमकल गाड़ियां मंगानी पड़ीं। दमकल टीम ने मौके पर पहुंचकर चार हौज लाइन बिछाईं और फोम की मदद से आग बुझाने का अभियान शुरू किया। फैक्ट्री में रखे प्लास्टिक के सामान के कारण आग पर काबू पाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। दमकलकर्मियों ने लगातार प्रयास कर आग को नियंत्रित किया। इस घटना में भी किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। उधर, वेव सिटी थाना क्षेत्र के डासना में रेडीमेड कपड़ों की दुकान में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। दुकान में रखे कपड़े और अन्य सामान आग की चपेट में आ गए। इससे हजारों रुपये का सामान जलकर खाक हो गया। स्थानीय लोगों ने भी आग बुझाने का प्रयास किया और आग को फैलने से रोका। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) सौरभ कुमार सिंह के अनुसार, दीपावली पर रविवार रात 12 बजे तक जिले में आग लगने की कुल 50 सूचनाएं प्राप्त हुईं। सभी सूचनाओं पर फायर सर्विस की टीमें लगातार कार्रवाई करती रहीं। उन्होंने बताया कि दमकल विभाग की प्राथमिकता आग को जल्द से जल्द नियंत्रित कर जान-माल के नुकसान को रोकना रही। दमकलकर्मियों की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के

मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में धूमधाम से मना दीपावली मिलन समारोह, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

वेलकम इंडिया संवाददाता



गाजियाबाद। वसुंधरा स्थित मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के ऑडिटोरियम में दीपावली मिलन समारोह धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। समारोह में मेवाड़ परिवार के सदस्यों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से उत्सव की खुशियों को दोगुना कर दिया। कविताओं, एकल नृत्य और समूह नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। इस दौरान संस्थान के पदाधिकारियों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं और आपसी प्रेम, भाईचारे तथा सद्भाव के साथ त्योहार मनाने का संदेश दिया। समारोह को संबोधित करते हुए मेवाड़ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डॉ. अशोक कुमार गदिया ने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान देने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समाज और राष्ट्र के भविष्य के निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। समाज के अंतिम छोर तक खुशियां और शिक्षा पहुंचाना शिक्षकों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सभी को सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए और विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास पर विशेष ध्यान देना चाहिए, ताकि वे एक जिम्मेदार नागरिक बनकर देश और समाज के काम आ सकें। डॉ. गदिया ने शिक्षकों से आह्वान किया कि इस दीपावली पर वे संकल्प लें कि प्रत्येक शिक्षक हर साल कम से कम 10 बच्चों को देश और समाज के योग्य बनाएगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर, संस्कारवान और जिम्मेदार बनाना है। संस्थान को केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि एक जीवंत संस्थान बनाने की दिशा में सभी को मिलकर प्रयास करना चाहिए। मेवाड़ इंस्टीट्यूशंस के महासचिव अशोक कुमार सिंघल ने कहा कि दीपावली हमारा अपना पर्व है, जो हमें प्रेम, भाईचारे और अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है। हमें अपने प्रत्येक रिश्ते को पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ निभाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज के तकनीकी युग में शांतिपूर्ण और खुशहाल जीवन जीना चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है, लेकिन जीवन की हर परिस्थिति में संतुलन बनाए रखने की सीख श्रीराम कथा से मिलती है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपनाकर हम अपने जीवन को सुखी और शांत बना सकते हैं।